RNI NO. UPHIN/2012/46248

गाजियाबाद से प्रकाशित

अभी वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 34 ● गुरुवार 29 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

सुविचार

'कामयाबी सुबह के जैसी होती है मांगने पर नहीं जागने पर मिलती है..!'

जामताड़ा के कालाझरिया रेलवे स्टेशन के पास हादसा; ट्रेन की चपेट में आए कई यात्री, दो के शव बरामद

झारखण्ड। झारखंड में जामताड़ा के कालाझरिया रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में कई यात्रियों के आने की खबर है। हादसे में कुछ मौतों की भी सूचना मिल रही है। मौतों की सही संख्या की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। जामताड़ा उपायुक्त ने बताया कि मेडिकल टीमें और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

इस बीच जामताड़ा के विधायक इरफान अंसारी ने बताया कि इस घटना में करीब तीन लोगों की मृत्यु हुई है और कई लोग लापता हैं। ऐसी सूचना मुझे मिली है। ये दुःखद घटना है। मैं मौके के लिए रवाना हो रहा हूं। मैंने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। हम इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ट्रेन की चपेट में कम से कम 12 यात्री आए हैं, जिनमें से दो से तीन के शव बरामद कर लिए गए हैं। हादसे की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है।

कैसे हुआ हादसा?

अब तक की जानकारी के मुताबिक डाउन लाइन पर भागलपुर-बंगलूरू एक्सप्रेस गुजर रही थी। रास्ते में काफी धूल थी। इस वजह से चालक को कुछ दिखाई नहीं दिया। धूल की वजह से आशंका जताई गई कि ट्रेन में आग लग गई है। आग की खबर लगते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई और ट्रेन के रुकते ही कई यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए। उसी वक्त अप लाइन पर ईएमयू ट्रेन आ रही थी। इसी के चपेट में कई यात्री आ गए।

जामताड़ा एसडीएम ने कही यह बात

हादसे पर जामताड़ा एसडीएम अनंत कुमार का कहना है कि 'कालाझरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन रुकी और कुछ यात्री उतरे और दूसरी लोकल ट्रेन की चपेट में आ गए।

सूचना मिली कि कुछ लोगों की मौत हो गई है।

आरपीएफ और जिला पुलिस तलाशी अभियान चला रही है। अब तक दो शव बरामद किए गए हैं। घटना का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

त्यूणी मार्ग पर बड़ा हादसा, खाई में गिरी श्रमिक के परिवार की कार, दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत

देहरादून। देहरादून के विकासनगर में त्यूणी- अटाल मार्ग पर बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। एक कार अनियंत्रित होकर 500 मीटर खाई में गिर गई। दुर्घटना में दो बच्चों और दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई।

वहीं गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को देहरादून स्थित हायर सेंटर भेजा गया है। परिवार पहले त्यूणी क्षेत्र के माटल गांव में रहता था। लेकिन रोजगार के लिए सीमावर्ती क्षेत्र पंद्राणू में चला गया था।

चालदा महासू महाराज के दर्शन को जा रहा था परिवार

जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर के समय हुआ। आल्टो

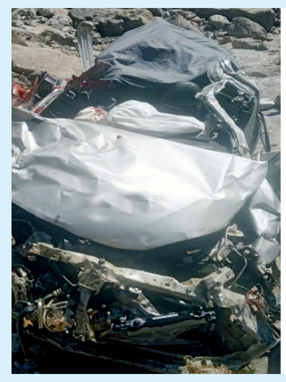

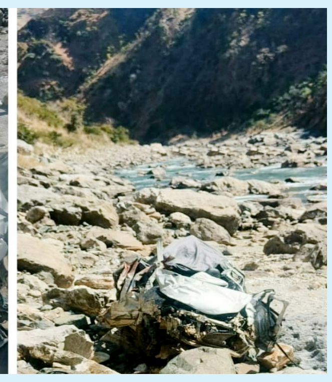

(UK07DU-4719) त्यूणी से अटाल की ओर जा रही थी। कार में एक ही सात लोग सवार थे। परिवार सैंज गांव से चालदा महासू महाराज के दर्शन के लिए जा आ रहा था। डूंग के पास अचानक उनकी कार खाई में जा गिरी।

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और शवों को खाई से निकाला।

'जजों में इंसानी समस्याओं की समझ एक प्रमुख औजार', SCBA के कार्यक्रम में बोले CJI चंद्रचूड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के एक समारोह में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि एक न्यायाधीश के लिए कानूनी शक्तियां ही पर्याप्त नहीं होती बल्कि मानव जीवन और समस्याओं को समझने की इच्छा की मजबूती भी जरूरी है।

'मानव जीवन को समझने की इच्छा ही सबसे मजबूत उपकरण'

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा नव नियुक्त न्यायाधीशों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक समारोह में बोलते हुए चंद्रचूड़ ने कहा एक न्यायाधीश के लिए कानूनी शक्ति पर्याप्त नहीं है। मानव जीवन को समझने की उनकी इच्छा ही सबसे मजबूत औजार है। उन्होंने कहा, हालांकि कानून का ज्ञान और अधिनियमों की जानकारी जरूरी है। लेकिन लोगों की समस्याओं की समझ ही हमें बेहतर वकील और न्यायाधीश बनाती है।

अतिक्रमण दस्ते से भिड़े बाप-बेटे, जेसीबी को पेट्रोल छिड़ककर फूंका, दोनों गिरफ्तार

बंगलूरू। बंगलूरू में अतिक्रमण विरोधी दस्ते की गांव के दो लोगों से झड़प हो गई। इस दौरान दोनों युवकों ने जेसीबी के ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। राजस्व अधिकारी की शिकायत पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना बंगलूरू के येलहंका तहसील की है।

जेसीबी ड्राइवर ने कूद कर बचाई जान

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, येलहंका तहसीलदार के नेतृत्व में आज अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया था। इस दौरान शिवकोटे

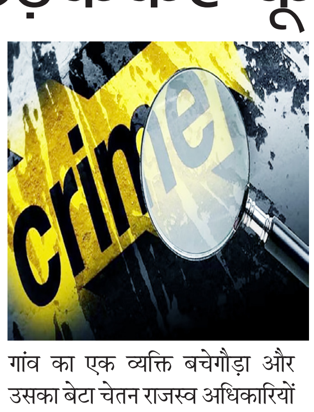

गांव का एक व्यक्ति बचेगौड़ा और उसका बेटा चेतन राजस्व अधिकारियों से भिड़ गया। दोनों ने अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। अधिकारियों से भिड़ने के बाद वे दस्ते में शामिल जेसीबी पर टूट पड़े। उन्होंने जेसीबी पर पेट्रोल छिड़क दिया और जेसीबी को जला दिया। गनीमत रही की जेसीबी ड्राइवर समय पर बाहर कूद गया और उसकी जान बच गई।

नोटिस के बाद भी नहीं हटाया अतिक्रमण

अधिकारियों के मुताबिक, बचेगौड़ा को पहले ही नोटिस दिया जा चुका था। नोटिस में उनसे अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन उसने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया। इसी वजह से आज हम अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे थे। इसी दौरान पूरा बवाल हुआ।

हमने पुलिस से आरोपियों की शिकायत की।

हत्या के प्रयास में दर्ज मामला

पुलिस सूत्रों की मानें तो राजस्व अधिकारियों की शिकायत पर बचेगौड़ा और उसके बेटे के खिलाफ हत्या के प्रयास और कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम, 1964 सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुंबई के आजाद मैदान में पुरानी पेंशन की मांग के लिए उमड़ा सरकारी कर्मियों का हुजूम, मंजूर नहीं NPS और GPS

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू कराने के लिए सरकारी कर्मियों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुरानी पेंशन की मांग को लेकर बुधवार को मुंबई के आजाद मैदान में 'महाराष्ट्र राज्य पुरानी पेंशन एसोसिएशन' द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया गया है। 19 फरवरी को वोट फॉर ओपीएस संकल्प यात्रा मंगलवार को मुंबई पहुंची है। एसोसिशन के सोशल मीडिया प्रमुख विनायक चौबे के मुताबिक, इस प्रदर्शन में राज्य के लाखों कर्मी शिरकत कर रहे हैं। एसोसिएशन की मांग है कि राज्य के सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन

व्यवस्था का फायदा दिया जाए। कर्मियों को ओपीएस के अलावा दूसरी योजना मंजूर नहीं है।

विनायक चौबे के अनुसार, इस प्रदर्शन में राज्य के लाखों कर्मी शिरकत कर रहे हैं। एसोसिएशन की मांग है कि राज्य के सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था का फायदा दिया जाए।

'लैंगिक असमानता पर रिपोर्ट, भारत को शर्मिंदा करने की कोशिश', फिक्की के कार्यक्रम में बोलीं ईरानी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि वैश्विक लैंगिक असमानता जैसी रिपोर्ट वैश्विक दक्षिण को बदनाम करने की कोशिश है। स्मृति ईरानी ने भारतीय विशेषज्ञों से अपील की कि वे ऐसा ढांचा तैयार करें, जिससे भारत की जमीनी हकीकत के बारे में पता चल सके। बुधवार को फिक्की के एक कार्यक्रम में बोलते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट्स सिर्फ भारत को बदनाम करने की साजिश हैं और इन रिपोर्ट्स में पूरे डाटा को शामिल भी नहीं किया जाता।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से स्मृति ईरानी ने दिखाई नाराजगी

स्मृति ईरानी ने भारतीय उद्योग जगत से अपील की कि वे इस बात का भी पता लगाएं कि ऐसी रिपोर्ट्स से भारत में निवेश पर क्या असर पड़ा है। वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम, लैंगिक असमानता रिपोर्ट और ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट जारी करता है। वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में हमने लैंगिक समानता के मुद्दे पर वैश्विक गठबंधन का एलान किया था।

कंप्यूटरीकृत ढांचे को पहले हम घरेलू स्तर पर लागू करेंगे और फिर उससे अपने जी20 के दोस्तों की मदद कर सकेंगे। स्मृति ईरानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय लैंगिक असमानता इंडेक्स को कौन करता है? अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भारत में काम

करती हैं और वो जमीनी हकीकत भी जानती हैं, लेकिन फिर भी वे पुराने डाटा पर या फिर लापरवाही से रिपोर्ट तैयार करती हैं।

करोड़ों लोगों को मिल रहा मुफ्त राशन

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये एजेंसियां बस पांच लोगों से सवाल करती हैं, लेकिन ये उन करोड़ों लोगों को छोड़ देती हैं, जिन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है।

लैंगिक असमानता रिपोर्ट इस बात की भी अनदेखी करती है कि देश में 15 लाख महिलाएं पंचायतों में निर्वाचित हुई हैं। बता दें कि वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम ने ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें 146 देशों में से भारत की रैंकिंग 127 थी। वहीं ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 125 देशों में भारत को 111वां स्थान मिला था।

'क्या संसद, राज्यों द्वारा लगाए टैक्स की सीमा तय कर सकती है?' खनिज रॉयल्टी मामले पर राज्यों से सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ खनिज और खनन पर रॉयल्टी, टैक्स है या नहीं, के मुद्दे पर सुनवाई कर रही है। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने खनिज प्रधान राज्यों जैसे झारखंड और ओडिशा से पूछा कि क्या खनिज पर लगे टैक्स को निर्धारित करने का अधिकार देश की संसद के पास है या नहीं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्ष वाली नौ सदस्यीय पीठ ने कहा कि साल 1989 में सात जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि खनिज और खनन पर ली जाने वाली रॉयल्टी, टैक्स होता है।

कोर्ट ने राज्य सरकारों से पूछे ये सवाल

कोर्ट ने माना कि संविधान के तहत राज्य सरकारें खनिज भूमि पर टैक्स लगा सकती हैं, लेकिन संविधान पीठ ने पूछा कि क्या राज्यों को मिला ये अधिकार, केंद्र सरकार द्वारा टैक्स को निर्धारित करने से रोकता है और क्या इससे खनिज विकास प्रभावित हो

सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'अगर आप (राज्य सरकारें) संविधान में मिले अधिकार के तहत खनिज भूमि पर टैक्स लगाते हैं तो क्या इससे संसद को भी संविधान की लिस्ट 1 के तहत अधिकार नहीं मिल जाएगा कि वे भी अपने अधिकार का इस्तेमाल करें और टैक्स को निर्धारित करें।' खनिज पर टैक्स मामले पर सुनवाई कर रही पीठ में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस उज्जल भुयन, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह शामिल हैं।

86 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी, झारखंड और ओडिशा सरकार की तरफ से पेश हुए और सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि संविधान की 49 एंट्री में निर्धारण वाली बात नहीं है, लेकिन कुछ पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। राकेश द्विवेदी ने कहा कि राज्य सरकार के पास सभी तरह की जमीन पर टैक्स लगाने का अधिकार है।

झारखंड के मामले में उन्होंने कहा कि टैक्स 1.50 रुपये प्रति एकड़ से ज्यादा नहीं होगा और ये सभी तरह की जमीन पर लगेगा। खनिज भूमि पर मिलने वाली रॉयल्टी, टैक्स है या नहीं, इसे लेकर स्पष्टता नहीं है। ऐसे में राज्य सरकारों का तर्क है कि उन्हें टैक्स का भारी नुकसान हो रहा है।

'जातीय हिंसा में अब तक 219 लोगों ने गंवाई जान', बजट सत्र के अभिभाषण में बोलीं राज्यपाल

इम्फाल। मणिपुर विधानसभा बजट सत्र की शुरूआत में राज्यपाल अनुसुइया उइके सदन को संबोधित किया। मणिपुर में पिछले साल हुई जातीय हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस दौरान 219 लोग की मौत हुई है। पूर्वोत्तर राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य बलों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 198 कंपनियां और 140 सेना की टुकड़ियां तैनात की गई हैं। गौरतलब है कि विधानसभा का बजट सत्र पांच मार्च तक होगा।

जातीय हिंसा में 219 लोगों की मौत हुई- राज्यपाल उइक

बजट सत्र की शुरूआत में मणिपुर विधानसभा को संबोधित करते जातीय हिंसा में 219 लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सत्यापन के बाद मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही है। उइके ने कहा, शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

शांति बहाली में राज्य के लोग करेंगे योगदान- उइक

सदन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने विश्वास दिलाया कि आम लोग राज्य में शांति, भाईचारे की बहाली में योगदान देंगे।

चुनाव के बाद राज्यसभा में किस दल की क्या स्थिति, भाजपा अपने दम पर बहुमत से अब कितना दूर?

नई दिल्ली। राज्यसभा की 56 सीटों के लिए चुनाव की प्रक्रिया मंगलवार (27 फरवरी) को पूरी कर ली गई। 27 फरवरी को तीन राज्यों की 15 राज्यसभा सीटों के लिए मतदान कराए गए। इनमें उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 10 सीटों के लिए, कर्नाटक की चार और हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए चुनाव हुए।

क्रॉस वोटिंग के चलते भाजपा को हिमाचल और उत्तर प्रदेश में एक-एक सीट का फायदा हुआ है। 12 राज्यों से 41 उम्मीदवार पहले ही राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इनमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तक शामिल हैं। आइए जानते हैं कि चुनाव के बाद राज्यसभा में किस दल की स्थिति में क्या बदलाव आया

है? किन पार्टियों की सीट में अजाफा हुआ है और कौन नुकसान में रहा है? क्या उच्च सदन में भाजपा अपने दम पर बहुमत की स्थिति में पहुंच गई है?

15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की प्रक्रिया अब खत्म हो चुकी है। इनमें से 13 राज्यों की 50 सीटों पर मौजूदा सांसदों का कार्यकाल 2 अप्रैल को खत्म हो रहा है। वहीं, दो राज्यों से जुड़े पांच सांसदों का कार्यकाल 3 अप्रैल का समाप्त हो रहा है। जबकि, राजस्थान से राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा का कार्यकाल भी 3 अप्रैल को समाप्त होना था, लेकिन मीणा पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं।

इन्हीं के लिए चुनाव कराए गए। 15 फरवरी को नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गई थी। वहीं, 16 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच के बाद यह साफ हो गया कि तीन राज्यों में मतदान होगा और 12 राज्यों से 41 उम्मीदवार निर्विरोध राज्यसभा पहुंचेंगे।

चुनाव से पहले किस पार्टी के पास कितनी सीटें थीं?

अप्रैल में सेवानिवृत्त हो रहे 55 सांसदों में से सबसे ज्यादा 27 भारतीय जनता पार्टी से हैं।

भाजपा के किरोड़ी लाल मीणा पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। उनका कार्यकाल भी 3 अप्रैल को समाप्त होना था। इस तरह कुल 28 सीटें भाजपा के पास थीं। सेवानिवृत्त हो रहे 10 सांसद कांग्रेस, चार टीएमसी, तीन बीआरएस, दो-दो राजद, जदयू, बीजद और एक-एक सपा, एनसीपी, शिवसेना, वाईएसआरसीपी और टीडीपी के हैं।

चुनाव के बाद राज्यसभा में किस दल की क्या स्थिति?

भाजपा के 20 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। उत्तर प्रदेश में पार्टी के सभी आठ उम्मीदवार चुनाव में जीतने में सफल रहे।

डेढ़ करोड़ की डकैती के दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद। कविनगर क्षेत्र में पांच दिसंबर को इंदिरापुरम के निशांत सरवैया के साथ हुई डकैती के मामले में वांछित चल रहे दो बदमाश और क्राइम ब्रांच के बीच सोमवार रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। जबकि बदमाशों की एक गोली कांस्टेबल मोहित शर्मा के हाथ में लगी है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में लूटे गए 12 लाख रुपये, लूटे गए रुपये से खरीदी गई स्विफ्ट कार, एक पिस्टल, दो तमंचे और निशांत के कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं।

एडीसीपी अपराध सच्चिानंद ने बताया कि सूचना पर टीम ने राजनगर के पास घेराबंदी करके स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान कार सवारों ने पुलिस पर फायरिंग की।

इसी दौरान उनकी कार पेड़ से टकरा गई तो बदमाश उतरकर भागने लगे। जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश के पैर में गोली लगी। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश हरियाणा करनाल के गांव छापर निवासी जोगेंद्र उर्फ मुकेश उर्फ मुन्ना उर्फलम्बू और शुभम उर्फ पवन उर्फ कटार है। जोगेंद्र के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा, बुलंदशहर, हापुड़, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में 15 और शुभम के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज हैं। शुभम ने पॉलिटेक्निक कर रखी है। एडीसीपी ने बताया कि मामले में पूर्व में आठ बदमाश नितिन शर्मा, सौरभ सिरोही, चंद्रवीर उर्फकलुवा, सुनील, सुखवीर, दीपक, नकुल और सौरभ शर्मा को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनके पास से 92.50 लाख रुपये बरामद किए जा चुके हैं। इसमें अभी और बदमाशों के होने का अंदेशा है। जिनके पास रुपये का बंटवारा हुआ था।

जेल में हुई मुख्य आरोपी से मुलाकात

एडीसीपी ने बताया कि पूर्व में मुख्य आरोपी सुनील के पास से करनाल और शिमला में रुपये बरामद हुए थे। इसी जांच में जोगेंद्र का भी नाम सामने आया।

सार सुर्खिया

दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज

बुलंदशहर। गुलावठी नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन पर वर्ष 2022 में घर में घुसकर दुष्कर्म और जानलेवा हमले के मुकदमे में अब नया मोड़ सामने आया है। उक्त मुकदमे में बीते दिनों ही एफआर लग चुकी है। वहीं, अब मामले में पूर्व पालिका अध्यक्ष ने न्यायालय के आदेश पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला व उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी करने आदि का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

गुलावठी थाना क्षेत्र के मोहल्ला पीर खां निवासी नफीस उर्फ काले खां ने बीते दिनों न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि वह और उनकी पत्नी पूर्व में नगर पालिका गुलावठी के अध्यक्ष रह चुके हैं। आरोप है कि राजनीति विद्वेष के चलते ही उन्हें व उनके परिजनों को वर्ष 2022 में घर में घुसकर सामूहिक दुष्कर्म करने और विरोध पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए एक महिला ने अहमदगढ़ थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान आरोपी महिला ने विवेचना अधिकारी से संपर्क नहीं किया और उसका पता भी गलत पाया गया। महिला के प्रार्थना पत्र पर अंकित नंबर भी गलत पाया गया।

मई 2022 में विवेचना अधिकारी ने जांच पूरी कर महिला के पते, आधार कार्ड व फोन नंबर को फर्जी पाते हुए एफआर लगाकर न्यायालय में पेश कर दी थी। साथ ही इस मामले में सामूहिक दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने के मामले में महिला पर कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया था। बाद में न्यायालय से एक समन मिलने पर पीड़ित पक्ष को जानकारी हुई कि आरोपी महिला ने उनके खिलाफ न्यायालय में भी एक परिवाद दायर किया हुआ है। उसमें भी महिला ने गलत पता दर्ज कराया हुआ है। बाद में जानकारी हुई कि आरोपी महिला व उसके दो साथी पूर्व में भी इस तरह की वारदातों को कर चुके हैं। इस संबंध में पीड़ित ने नगर कोतवाली पुलिस व एसएसपी से भी गुहार लगाई थी। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं, अब न्यायालय के आदेश पर नगर पुलिस ने आरोपी महिला व उसके दो साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ सिटी विकास प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ऑपरेशन के बाद भी नहीं निकाली गांठ, पांच लाख का जुर्माना

बुलंदशहर। ऑपरेशन के नाम पर 90 हजार रुपये वसूलने के बाद भी ओवेरी (अंडाशय) की गांठ को नहीं निकाला गया। जिसके चलते उपभोक्ता आयोग ने मेरठ के सुपर मैक्स हॉस्पिटल पर पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। समयावधि में जुमार्ना अदा न करने पर जुमार्ने की राशि पर अतिरिक्त ब्याज भी देना होगा।

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह के पीए शेखर वर्मा ने बताया कि गांव औरंगाबाद ताहरपुर निवासी सरिता का पेट में दर्द की शिकायत पर मेरठ के सुपर मैक्स हॉस्पिटल में उपचार कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने ओवेरी में गांठ होने की बात कहते हुए ऑपरेशन की सलाह दी। जांच कराने के बाद दो सितंबर 2020 को सरिता का मेरठ के मैक्स हॉस्पिटल में ऑपरेशन कराया। जहां पर चिकित्सक डॉ. दीपमाला टेपरवाल ने 90 हजार रुपये लेकर ऑपरेशन करते हुए गांठ निकालने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद भी पेट दर्द ठीक न होने के चलते दोबारा चिकित्सक से संपर्क किया गया। जिस पर डॉ. दीपमाला ने पहली बार तो दवाई दे दी, लेकिन इससे भी दर्द ठीक नहीं हुआ तो फिर से परामर्श के लिए पहुंचे। जहां डॉ. दीपमाला ने आगे कुछ करने में असमर्थता जताई।

ट्रेन के आगे कूदकर महिला ने दी जान

मसूरी। क्षेत्र के अब्दुल्ला गार्डन मयूर विहार की रहने वाले फरहाना (25) ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे आध्यात्मिक नगर हॉल्ट पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। लोको पायलट ने हॉल्ट इंचार्ज को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस को जांच में पता चला कि फरहाना फोन पर पति से बात करते हुए ट्रेन के आगे कूदी है। अंदेशा है कि दोनों के बीच कहासुनी हुई है।

फरहाना के मामला हसमुद्दीन ने बताया कि 2019 में फरहाना का निकाह बल्लभगढ़ के रहीसुद्दीन से हुई थी। हाल में रहीसुद्दीन पसौंड़ा क्षेत्र में रह किराये के मकान में रह रहा है। आरोप है कि रहीसुद्दीन का किसी दूसरी महिला से प्रेम प्रसंग है। इस कारण उसका फरहाना से विवाद रहने लगा। ससुरालिये भी उसका उत्पीडन करने लगे। इस कारण काफी समय से फरहाना मायके में रह रही थी। फरहाना के पौने तीन साल का एक बेटा है और दो महीने पहले ही मायके में रहते हुए बेटी को जन्म दिया। फरहाना मंगलवार को घर पर अपनी मां को यह कहकर घर से निकली थी कि रहीसुद्दीन बाहर जा रहे हैं।

उनकी कॉल आई थी कि वह उनके घर जाकर कपड़े निकाल दे। तो वह कपड़े निकालने जा रही थी।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने की अपील: 'कम मतदान प्रतिशत को मिटाना हैं, मतदान करने जरूर जाना है'

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलैक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों का परिचय लिया गया। संगठन के प्रतिनिधि द्वारा जिला अधिकारी द्वारा जनपद की प्रथम उद्योग बंधु बैठक में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह का स्वागत किया गया।

साइट 4 साहिबाबाद में विद्युत उपकेंद्र की स्थापना हेतु यूपीएसआईडीसी द्वारा उपलब्ध कराएगी 915 वर्ग मीटर भूमि का 10 तारीख तक रजिस्ट्री आदि की प्रक्रियाये पूर्ण करते हुए कब्जा प्राप्त करने हेतु विद्युत विभाग एवं क्षेत्र प्रबंधक यूपीसीडा निर्देशित किया गया। कवि नगर औद्योगिक क्षेत्र में फायर विभाग द्वारा मांग की गई 4148 वर्ग मीटर भूमि पर फायर स्टेशन की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा क्षेत्र प्रबंधक यूपीएसआईडीसी को निर्देशित किया गया कि वे लीज डीड में निर्धारित शर्तों का पालन करते हुए स्वदेशी पॉलिटिक्स लिमिटेड से भूमि का आवंटन फायर विभाग को कराने हेतु निर्देशित किया गया।

इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी में मुख्य मार्ग की चौड़ाई 5 मी होने संबंधी प्रकरण पर जिलाधिकारी द्वारा प्रभारी मुख्य अभियंता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को उक्त क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करते हुए दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ समस्या का प्रभावी निस्तारण निकल जाने हेतु निर्देशित किया गया।

निवेश मित्र पोर्टल समय सीमा उपरांत लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी द्वारा अत्यंत रोष प्रकट करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को बड़े निर्देश दिए गए की वह तत्काल लंबित प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें एवं जो प्रकरण मुख्यालय स्तर पर लंबित है उसे भी मुख्यालय से संबंध में स्थापित करते हुए तत्काल निस्तारित कराएं। जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया गया कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित आवेदनों से संबंधित उद्यमियों को भी जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, जिससे कि वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

दिल्ली सहारनपुर रोड पावी पुस्ता पर सड़क के निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि बी उक्त कार्य का 7 दिन के अंदर टेंडर निर्गत करते हुए तत्काल कार्य शुरू करवाना सुनिश्चित करें।

साइट पर साहिबाबाद में ऊर्जा मार्ग पर स्थित बृज विहार पुलिया के निर्माण के संबंध में बैठक में उपस्थित उपमा प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पुलिया के निर्माण से पूर्व आईजीएल विद्युत एवं नगर निगम की गैस विद्युत एवं पानी की लाइनों का शिफ्टिंग होना अनिवार्य है इसके लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। विद्युत विभाग द्वारा उक्त लाइनों को शिफ्टिंग किए जाने हेतु पूर्व में बनाए गए एस्टीमेट से अधिक धनराशि का एस्टीमेट बनाकर दे दिया गया है, जिससे यूपीसीडा सहमत नही है।

जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता विद्युत यूपीसिडा, डीजीएम यूपीसीडा, एवं अधिशासी अभियंता, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड द्वितीय एवम षष्ठ को संयुक्त रूप से उत्तर क्षेत्र का उन्हें स्थलीय निरीक्षण करते हुए एक सप्ताह के अंदर एस्टीमेट तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही नगर निगम से संबंधित लाइनों को शिफ्ट किए जाने हेतु सहायक अभियंता नगर निगम को कड़े निर्देश दिए गए की 5 तारीख तक वे नगर निगम से संबंधित लाइनों को शिफ्ट करने की कार्यवाही पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

CM योगी ने किया लोकार्पण, थाना प्रभारी समेत 35 पुलिसकर्मियों तैनात

दिल्ली-एनसीआर। प्रदेश में शुरू हुए 57 जिलों में साइबर थानों के साथ गाजियाबाद को भी साइबर थाना मिल गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से लोकार्पण कर साइबर थाने का उद्घाटन किया। अब साइबर अपराध से पीड़ित लोगों को थाने-चौकी के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। साइबर थाना खुलने से स्वतंत्र होकर साइबर टीम ठगी के मुकदमों में विवेचना कर सकेगी और अपराधियों को पकड़ा जा सकेगा।

बनाया गया साइबर थाना

कॉरपोरेट ऑफिस की तरह

आप साइबर थाने में प्रवेश करेंगे तो आपको लगेगा कि आप किसी निजी कंपनी के कार्यालय में आए हैं। साइबर थाना कॉरपोरेट ऑफिस की तरह बनाया गया है। इसमें 21 डेस्कटॉप दो लैपटॉप साइबर थाने की टीम काम करेगी। थाने में 35 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें एक साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन प्रभारी, तीन निरीक्षक, छह उप निरीक्षक, 14 हेड कांस्टेबल, आठ कांस्टेबल, दो महिला कांस्टेबल और एक कंप्यूटर ऑपरेटर है।

पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि साइबर थाने के अलावा कमिश्नरेट के सभी थानों पर साइबर सेल भी बनाई गई है। जहां पांच लाख रुपये तक की ठगी के मामले सुने जाएंगे। इसके लिए 189 पुलिसकर्मियों को साइट्रेन की ट्रेनिंग दी गई है।

एक माह में 39 मुकदमे हो चुके हैं दर्ज

साइबर थाने का लोकार्पण बुधवार को भले ही हुआ हो लेकिन 27 जनवरी से साइबर थाने में टीम कार्य कर रही है। 27 जनवरी से 27 फरवरी तक थाने में 39 मुकदमे दर्ज किया जा चुके हैं। इनमें एक करोड़ 11 लाख रुपये फ्रिज भी करा दिए गए हैं। साथ ही 8,591 अपराधियों के नंबरों को भी ब्लॉक कराया गया है। जिनके द्वारा लोगों से ठगी की गई थी।

शादी के 40 साल बाद भी टूट रहे बंधन

गाजियाबाद। पोते-पोतियों की शादी में आशीर्वाद देने के लिए हाथ उठने के बजाय अब बुजुर्गों के हाथ अदालत में तलाक के लिए उठ रहे हैं। हैरानी की बात बुजुर्ग दंपत्तियों को तलाक दिलाने में उनके बच्चे भी सहयोगी बन रहे हैं। कई बार की काउंसिलिंग और अदालत की सलाह के बाद भी बुजुर्ग दंपती एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर तलाक का मुकदमा लड़ने के लिए अदालत के चक्कर काट रहे हैं।

परिवार न्यायालय के मुकदमों की पैरवी करने वाली अधिवक्ता सिंधु प्रभा झा ने बताया कि कौशांबी निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग ने तलाक के साथ ही भरण पोषण का मुकदमा दाखिल किया है। बुजुर्ग को स्वयं चलने में परेशानी होती है। उनका बेटा पेशी पर लेकर आता है। सिंधु ने बताया कि पति की उम्र 70 वर्ष है। वह फिरोजाबाद में शिक्षक से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। पत्नी का आरोप है कि पति ने सेवानिवृत्त होने के बाद दूसरी महिला को पूरी धनराशि दे दी। गुजारा करने के लिए बेटे पर निर्भर रहना पड़ता है, इसलिए तलाक और गुजारा भत्ता की अर्जी लगाई है।

डेटिंग एप पर दोस्ती कर निवेश करने की सलाह देकर नौ लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने अब निवेश के नाम पर ठगी करने का नया तरीका अपना लिया है। शातिरों ने इंदिरापुरम के रहने वाले एक युवक से डेटिंग एप के जरिये दोस्ती कर निवेश करने की सलाह देकर नौ लाख रुपये ठग लिए। मामले में युवक को जब ठगी का एहसास हुआ तो साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। युवक का कहना है कि उनकी मुलाकात एक डेटिंग एप पर युवती से दोस्ती हुई थी। कुछ दिन बाद उसने उन्हें एक विदेशी साइट बताई और उसमें निवेश करने पर मोटे मुनाफे का झांसा दिया। झांसे में आकर उन्होंने कई बार में 5.80 लाख रुपये निवेश कर दिए। शातिर

ने जिन्हें डॉलर में बदलवाकर निवेश किए। उन्हें 10,528 डॉलर देने की बात कही लेकिन साइट से बाद में सब डिलीट हो गया। इसी दौरान मलेशिया की एक महिला ने उससे तीन लाख रुपये निवेश के नाम पर ले लिए लेकिन बाद में वह प्रोफाइल भी डिलीट हो गई। एसीपी अपराध का कहना है कि मामले में साइबर ठगों को ट्रेस करने के लिए टीमें लगी हैं।

गुजरात से दुहाई डिपो पहुंचा पहला सेट, एक ही ट्रैक पर दौड़ेगी नमो भारत और मेट्रो

गाजियाबाद। मेरठ मेट्रो का पहला ट्रेन सेट गुजरात के सांवली से मंगलवार देर रात दुहाई डिपो पहुंच गया है। तीन कोच का यह ट्रेन सेट बड़े ट्रेलरों के जरिए एक सप्ताह का सफर करके यहां पहुंचा है। तीन अलग-अलग हिस्सों में पहुंचे इस ट्रेन सेट की अब असेंबलिंग और टेस्टिंग शुरू की जाएगी।

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने बीते दिनों मेरठ मेट्रो के इस ट्रेन सेट का अनावरण सांवली में कर पहली बार जनता के सामने इसे पेश किया था। इसके बाद एल्स्टॉम ने गुजरात के सांवली में इस सेट को एनसीआरटीसी को सौंपा था। अत्याधुनिक डिजाइन वाले इस ट्रेन सेट का भारत में डिजाइन कर मेक इन इंडिया के तहत गुजरात में निर्माण किया गया है।

मेरठ मेट्रो के ट्रेन सेट ऊर्जा की कम खपत करने वाले तो हैं ही साथ ही हल्के और रीजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। यह स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी), स्वचालित ट्रेन नियंत्रण (एटीसी) और स्वचालित ट्रेन संचालन (एटीओ) के साथ बनाए गए हैं। मेरठ मेट्रो ट्रेन के कोच का डिजाइन अधिकतम 120 किमी प्रतिघंटा की गति पर तैयार किया गया है।

मेट्रो कोच की विशेषताएं

सामान रखने की रैक, ग्रैब हैंडल, यूएसबी डिवाइस चार्जिंग सुविधा।

एक ट्रेन मे 700 से ज्यादा यात्री सफर कर सकेंगे।

मेरठ मेट्रो के ट्रेन अत्याधुनिक हल्के वजन और स्टेनलेस स्टील से निर्मित हैं।

सीसीटीवी कैमरे, डायनामिक रूट मैप, इंफोटेनमेंट सिस्टम, रोशनी-आधारित स्वनियंत्रित प्रकाश व्यवस्था होगी।

सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) के साथ मेट्रो संचालन को जोड़ा जाएगा, सुरक्षा का पालन होगा।

पति का शव देख महिला बालकनी से कूदी, मौत

साहिबाबाद। वैशाली सेक्टर तीन की एलकॉन सोसाइटी में रहने वाली 23 वर्षीय अंजलि ने 25 वर्षीय पति अभिषेक का शव देख सोमवार रात 7वीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी। मंगलवार को महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सोमवार को दिन में महिला, पति और ननद के साथ दिल्ली चिड़ियाघर घूमने गयी थीं। इसी बीच पति को सीने में दर्द हुआ था। पति को उपचार के लिए दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन ने अंतिम संस्कार कर दिया।

अभिषेक के फुफेरे भाई संजीव ने बताया कि अभिषेक, अंजलि और बहन के साथ दिल्ली चिड़ियाघर घूमने गए थे। घूमने के दौरान अभिषेक को सीने में दर्द हुआ। पत्नी और बहन ने दोस्तों को अभिषेक की तबियत खराब होने के बारे में बताया। दोस्त और भाई संजीव अभिषेक को लेकर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल पहुंचे और पत्न ी व बहन को घर भेज दिया। वहां से चिकित्सकों ने हार्ट अटैक आने की जानकारी देकर अभिषेक को हायर सेंटर रेफर कर दिया। एम्स ले जाने पर चिकित्सकों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। किसी ने भी अभिषेक की मौत के बारे में पत्नी अंजलि को नहीं बताया।

पति के जाने का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई अंजलि

दोस्त व भाई अभिषेक का शव लेकर रात नौ बजे घर पहुंचे। पति की मौत की जानकारी पाकर अंजलि आपा खो बैठीं। और बालकनी से छलांग लगा दी।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार रात को महिला के बालकनी से कूदने की सूचना मिली थी। मंगलवार को उपचार के दौरान महिला की दिल्ली में मौत हो गई। पति की मौत से क्षुब्ध होकर पत्नी ने यह कदम उठाया। इस मामले में जांच कराई जा रही है।

तीन माह पहले हुई शादी, एनजीओ में करता था काम

संजीव ने बताया कि अभिषेक अपने माता पिता और बहन के साथ वैशाली सेक्टर तीन स्थित एलकॉन सोसाइटी में 7वीं मंजिल के फ्लैट में रह रहा था। अभिषेक के पिता जशपाल दिल्ली के एक निजी स्कूल में कार्यरत हैं जबकि मां गृहणी हैं। अभिषेक एनजीओ में काम करता था और अंजलि गृहणी थी। पूर्व में अभिषेक प्रॉपर्टी डीलर और फोटोग्राफी का काम करता था। अभिषेक और अंजलि दो साल से एक दूसरे को जानते थे। नवंबर 2023 में दोनों ने प्रेम विवाह किया था।

मस्जिद में जूते पहनकर घुसे हिंदू रक्षादल के दो पदाधिकारी, मुकदमा दर्ज

साहिबाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की मदीना मस्जिद में दो युवक जूते पहनकर घुस गए। मस्जिद की देखरेख से जुड़े व्यक्ति ने दोनों को हिंदू रक्षा दल का पदाधिकारी होना बताया। धार्मिक टिप्पणी करने और माहौल बिगाड़ने, धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, मुकदमा दर्ज होने से हिंदू संगठन के पदाधिकारियों में रोष है।

मुकदमा दर्ज कराने वाले शहवाज ने बताया कि सोमवार रात 12 बजे अन्नू और दक्ष मस्जिद में घुस आए। धार्मिक टिप्पणी करते हुए धक्कामुक्की की और नमाज नहीं पढ़ने देने की चेतावनी दी। समझाने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

आरोपियों को मस्जिद की छत पर जाते समय रोकने का प्रयास करने पर अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

वहीं, टीला मोड़ थाना प्रभारी की पूछताछ में दोनों युवकों का कहना है कि रात को मस्जिद में शोर-शराबा हो रहा था। इससे आसपास के लोग प्रभावित हो रहे थे। शोर सुन कर दोनों अंदर गए थे।

व्यापारी के घर ताला तोड़कर चोरी, लाखों के जेवर व नगदी ले उड़े चोर

अलीगढ़। अलीगढ़ में अतरौली नगर के एक प्रतिष्ठित बड़े कारोबारी के यहां 27 फरवरी रात छत के सहारे जीने की कुंडी खोलकर घर में घुसे चोर लाखों के जेवर और नगदी चुराकर ले गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की। डॉग स्क्वायड भी बुलाया गया।

नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन स्व. तुलसी प्रसाद अग्रवाल के पारिवारिक भाई डॉ. विपिन बाबू अग्रवाल खाद, बीज व कीटनाशक के थोक कारोबारी हैं। मोहल्ला खत्रीपाड़ा में उनका मकान है। 27 फरवरी की शाम उनके बेटे सुयश अग्रवाल अपनी पत्नी को दवा दिलाने अलीगढ़ गए थे। विपिन बाबू अपनी पत्नी नीता अग्रवाल के साथ घर पर थे। देर रात

चोर छत के रास्ते जीने की कुंडी खोलकर घर में घुसे चोर ने बराबर वाले कमरे का ताला तोड़ दिया। इसके बाद आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के लाखों रुपये कीमत के जेवर और करीब 80 हजार रुपये चुराकर ले गए। जाते समय उस कमरे की कुंडी भी बंद कर गए जहां अग्रवाल दंपती सोए थे।

अलीगढ़ के निकेत को डिप्टी सीएम ने किया सम्मानित, इसलिए मिला अवार्ड

अलीगढ़। अलीगढ़ शहर के निकेत अग्रवाल को अमर उजाला यूपी अचीवर्स सम्मान दिया गया है। वह प्लस प्वाइंट बिल्ड्सवायर प्रा.लि. के सीईओ है। यह सम्मान उन्हें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दिया है।

अमर उजाला के गौरवशाली 75 साल पूरे होने पर लखनऊ में अमर उजाला संवाद उत्तर प्रदेश (स्वर्णिम शताब्दी की ओर) समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कला, खेल, साहित्य, सिनेमा, चिकित्सा और कारोबार जगत के दिग्गजों ने शिरकत की। वहीं भविष्य की योजनाओं पर अपने विचार साझा किए। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने अमर उजाला के विशेष संस्करण यूपी

अचीवर्स प्रोफाइल का विमोचन करते हुए कहा कि प्रदेश अब आगे बढ़ने के साथ चमक भी रहा है।

हार्डवेयर इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निकेत अग्रवाल को यंग अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया। इस दौरान निकेत अग्रवाल ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी, मूर्तिकार अरुण योगीराज से भी वार्ता की। इस दौरान अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, बैडमिंटन सानिया नेहवाल, आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आदि ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर उनके पिता राजीव अग्रवाल, मां अलका अग्रवाल, पत्नी शीना अग्रवाल एवं समस्त प्लस प्वाइंट परिवार ने खुशी जाहिर की है।

सेहत/स्वास्थ्य

पुरुष हो गए हैं लगातार झड़ते बालों से परेशान तो बस एक चम्मच कॉफी आएगी आपके काम

मिताली जैन

कॉफी से हेयर फॉल रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इससे हेयर मास्क तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले ब्रूड कॉफी लें। अब इसमें कैरियर ऑयल जैसे नारियल तेल या जैतून का तेल लें। इन दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। सुबह-सुबह एक कप कॉफी हमें रिचार्ज कर देती है। जब भी हम काम के बीच में थकान का अनुभव करते हैं तो कॉफी पीने का ही मन करता है। हालांकि, कॉफी सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों को भी रिचार्ज करने का काम करती है। आज के समय में चाहे महिला हो या पुरुष, अधिकतर लोग हेयर फॉल के कारण परेशान रहते हैं। ऐसे में वे तरह-तरह के नए हेयर प्रोडक्ट्स ट्राई करते रहते हैं। जबकि जवाब एक चम्मच कॉफी में ही छिपा है। कॉफी का उपयोग करने से स्कैल्प हेल्थ सुधरती है। कॉफी में मौजूद कैफीन पुरुषों के हेयर फॉलिकल्स में ब्लड सकुर्लेशन को इंप्रूव करता है। जिससे बाल मजबूत होते हैं और हेयर फॉल की समस्या दूर होती है। इतना ही नहीं, अगर इसे हेयर केयर रूटीन में शामिल किया जाए तो हेयर ग्रोथ में भी मदद मिलती है। तो चलिए जानते हैं कि पुरुष हेयर फॉल दूर करने के लिए कॉफी को कैसे इस्तेमाल करें-

कॉफी से बनाएं हेयर मास्क

कॉफी से हेयर फॉल रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इससे हेयर मास्क तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले ब्रूड कॉफी लें। अब इसमें कैरियर ऑयल जैसे नारियल तेल या जैतून का तेल लें। इन दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने सिर और बालों पर लगाएं और अच्छी तरह से मसाज करें। इसे करीबन 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे शैम्पू और पानी की मदद से क्लीन कर दें।

कॉफी से बनाएं स्कैल्प स्क्रब

कॉफी से स्कैल्प स्क्रब बनाने पर डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने और ब्लड सकुर्लेशन को इंप्रूव करने में मदद मिलेगी। इससे भी हेयर फॉल दूर होगा। स्कैल्प स्क्रब बनाने के लिए बारीक पिसी हुई कॉफी को थोड़े से पानी के साथ मिक्स करें। अब इस स्क्रब को धीरे-धीरे अपने सिर पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद आप इसे पानी की मदद से अच्छी तरह धो लें और फिर शैम्पू व कंडीशनर की मदद से बालों को क्लीन करें।

कॉफी से करें हेयर रिंस

कॉफी से हेयर रिंस करने से ना केवल पुरुषों में हेयर फॉल कम होता है, बल्कि उनके बाल अधिक सिल्की व शाइनी भी बनते हैं। इसके लिए 2 कप पानी उबालें और उसमें 2-3 बड़े चम्मच कॉफी ग्राउंड डालें। इसे लगभग 10-15 मिनट तक उबलने दें और फिर ठंडा होने दें। एक महीन जाली वाली छलनी या चीजक्लोथ का उपयोग करके पानी छान लें। हमेशा की तरह अपने बालों को शैंपू करें और फिर तैयार पानी को सिर और बालों पर डालें। अब अपनी स्कैल्प पर कुछ मिनट तक मसाज करें। इसे करीबन 5-10 मिनट तक लगा रहने दें। अंत में, अपने बालों को गुनगुने पानी से अच्छी तरह धो लें।

घरेलू नुस्खे

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

शाम को लगने वाली हल्की-फुल्की भूख मिटाने के साथ मोटापा कंट्रोल करने में भी फायदेमंद है मोठ की चाट

शाम को चाय के साथ ज्यादातर घरों में तेल-भुने आइटम्स ही पसंद किए जाते हैं जो बेशक चाय का मजा दोगुना कर देते हैं लेकिन सेहत के लिहाज से ये बिल्कुल भी हेल्दी ऑप्शन्स नहीं होते तो अगर आप ईवनिंग स्नैक्स के लिए कुछ हेल्दी ऑप्शन्स ढूंढ़ रहे हैं तो मोठ चाट है इसके लिए बेस्ट ऑप्शन। जान लें इसे बनाने का तरीका।

शाम को लगने वाली भूख मिटाने के लिए दिल तो समोसे-पकौड़े पर ही जाकर रूकता है। डीप फ्राइड आइटम के बिना शाम की स्नैकिंग पूरी कहां होती है, लेकिन ये चीजें खाने में जितनी मजेदार लगती है, उतनी ही अनहेल्दी होती हैं। इन्हें खाने से वजन और बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। इसलिए बहुत जरूरी है आप क्या खा रहे हैं इस पर ध्यान देना। आज हम आपके लिए लेकर आएं हैं शाम की भूख मिटाने के लिए ऐसी रेसिपी, जो स्वाद और सेहत दोनों में है जबरदस्त। जो है मोठ की चाट।

मोठ प्रोटीन, विटामिन और कई सारे मिनरल्स से भरपूर होती है। जिसे खाने से सेहत को कई सारे फायदे मिलते हैं।

मोठ चाट की रेसिपी

सामग्री- 1/2 कप (100 ग्राम) मोठ दाल, 1 मीडियम साइज का उबला आलू, 1 टमाटर छोटे टुकड़ों में कटा हुआ, 1 बारीक हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 छोटा चम्मच- हल्दी पाउडर, 3/4 छोटा चम्मच काला नमक, स्वादानुसार नमक, 3/4 छोटा चम्मच चाट मसाला, 1/2 छोटा चम्मच भुना जीरा, 2 चम्मच हरी चटनी, नींबू 1/2 टुकड़ा, हरा धनिया झ 1 बड़ा चम्मच

विधि

मोठ को बनाने से एक रात पहले पानी में भिगो दें। सुबह ये अच्छी तरह फूल जाती है। ध्यान दें मोठ से दोगुनी मात्रा पानी की रखनी है।

अंकुरित होने के लिए अगले दिन इसे पानी से निकालकर गीले तौलिये में लपेट कर कहीं टांग दें या फिर छलनी पर रख दें।

चाट बनाने के लिए मोठ को हल्का उबालना है, जिससे ये थोड़ा नरम हो जाए। इसके लिए एक बर्तन में दो कप पानी लें, उसमें नमक और हल्दी थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाएं और अंकुरित मोठ डालकर पांच मिनट उबाल लें।

5 मिनट के बाद, गैस बंद कर दें। ज्यादा उबालने से खाने में मजा नहीं आता।

उबले हुए मोठ को एक बाउल में निकाल लें। चाट बनाने के लिए इसमें काला नमक, चाट मसाला, मिर्च, भुना जीरा पाउडर, टमाटर और कटे हुए आलू डालें। ऊपर से हरे धनिए की चटनी और नींबू का रस। सारी चीजों को चम्मच की मदद से अच्छी तरह मिला लें।

चाट में ऊपर से सरसों या जैतून का तेल भी डाला जा सकता है। इससे स्वाद बढ़ जाता है।

तैयार है चाट सर्व करने के लिए।

ब्यूटी/फैशन

छोटी आंखों को बड़ी दिखाने और आकर्षक लुक देने के लिए ट्राई करें ये सिंपल टिप्स, खूबसूरती में लगेंगे चार चांद

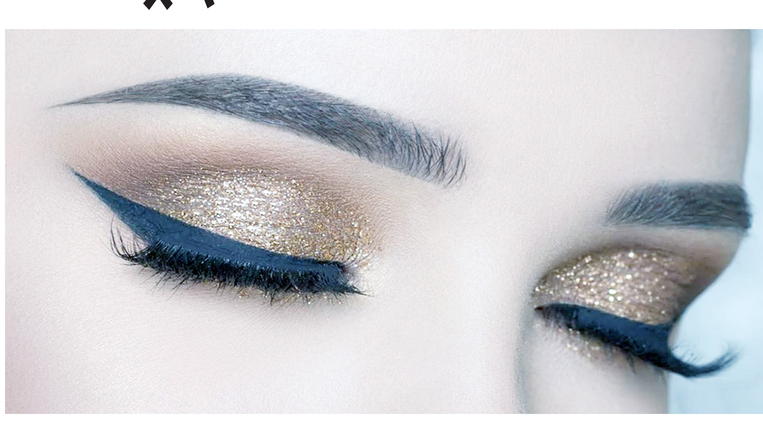

अनन्या मिश्रा

कुछ ट्रिक्स अपनाकर छोटी आंखों को बड़ी दिखा सकती हैं। बता दें कि आप आईलाइनर की मदद से छोटी-छोटी आंखों में बहुत बड़ा बदलाव ला सकती हैं। अगर आप मेकअप करने में नौसिखिया हैं, तो सही तकनीकों को अपनाकर अपनी आंखों को निखारने का काम कर सकती हैं।

यदि किसी की आत्मा में झांकना हो, तो उसकी आंखों को करीब से देख लीजिए। लड़कियां मेकअक के जरिए आंखों को अट्रैक्टिव लुक देने का काम करती हैं। वहीं जिन लोगों की आंखें छोटी हैं, वह कुछ ट्रिक्स अपनाकर छोटी आंखों को बड़ी दिखा सकती हैं। बता दें कि आप आईलाइनर की मदद से छोटी-छोटी आंखों में बहुत बड़ा बदलाव ला सकती हैं। अगर आप मेकअप करने में नौसिखिया हैं, तो सही तकनीकों को अपनाकर अपनी आंखों को निखारने का काम कर सकती हैं। जिससे आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखाई देंगी।

व्हाइट या न्यूड लाइनर

आंखों को बड़ा और प्रभावी दिखाने के लिए वॉटरलाइन पर सफेद या न्यूड आईलाइनर अप्लाई कर सकती हैं। यह ट्रिक आपकी आंखों को ग्लो देने के साथ ही बड़ा दिखाने में मदद करती है। पनी निचली वॉटरलाइन को एक सफेद या न्यूड पेंसिल से लाइन करने पर आपको प्रभावी चेंज देखने को मिलेगा।

टाइटलाइनिंग

टाइटलाइनिंग का मतलब सिर्फ नीचे ही नहीं बल्कि ऊपरी वॉटरलाइन पर भी लाइनर अप्लाई करें। इससे आपकी पलकें घनी होने के साथ हल्का स्मोकी लुक देंगी। वॉटरप्रूफ या लंबे समय तक टिकने वाली आईलाइनर पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए इंटरनर कोने से शुरू होकर बाहरी कोने की तरफ बढ़ते हुए ऊपरी वॉटरलाइन को लाइन करें। यह ट्रिक आपकी आंखों को बेहतरीन डेफिनेशन देगी।

बाहरी कोने तक लाएं आईलाइनर

अगर आप आईलाइनर लगाते समय उसे किनारे तक छोड़ देती हैं, तो आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। इसके लिए आप एक नई ट्रिक सीख सकती हैं। अपनी आंखों के बाहरी कोने से थोड़ा आगे बढ़ाकर आईलाइनर लगाएं। जिससे कि अपीयरेंस थोड़ा सा एलॉन्गेट हो सके। एक छोटा-सा विंग यह सटल फ्लिक आंखों को बड़ा दिखा सकता है। साथ ही आंखों का शेप भी एक्सडेंट होता है।

शिमर का प्रयोग

ग्लैम और बोल्ड लुक पाने के साथ आंखों को बड़ा दिखाने के लिए आप इनर कोने पर हल्का शिमरी आईशैडो अप्लाई करें। इस तरीके से आपकी आंखों को एक अलग लुक मिलेगा और ग्लो आएगा। इससे पूरा ध्यान आंखों के इनर कॉर्नर पर रहेगा। इससे आंखें बड़ी दिखेंगी और आंखों की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी।

न लगाएं मोटी लाइन

अगर आप भी अपर लिड पर मोटा आईलाइनर लगाना पसंद करती हैं, तो इससे आपकी आंखें काफी आकर्षक दिखाई देती हैं। लेकिन इससे आंखें और भी ज्यादा छोटी लगने लगती हैं। ऐसे में आंखों के ऊपर पतली लाइन बनाएं और जब भी ऊपरी पलक पर आईलाइनर लगाएं, तो उसको भी पतला रखें। क्योंकि छोटी आंखों पर मौटा आईलाइनर हावी हो जाती है और आपका पूरा लुक खराब हो जाता है।

न्यूट्रल आईशैडो

पलकों की क्रीज पर न्यूट्रल आईशैडो लगाना चाहिए। वहीं छोटी आंखों को डार्क आईशैडो की मदद से और भी छोटा दिखा सकते हैं। इसके लिए पहले लिड पर हल्का और फिर न्यूट्रल शेड अप्लाई करें। फिर सटल लुक देने के लिए क्रीज पर थोड़ा गहरा शेड अप्लाई करें। इससे आपकी आंखें सुंदर और बड़ी दिखाई देंगी।

आईलाइनर स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट

हर किसी का आईलाइनर लगाने का स्टाइल अलग होता है। अलग स्टाइल वाला आईलाइनर आंखों की बनावट पर अलग-अलग तरह से प्रभाव डालता है।

प्रभु महिमा/धर्मस्थल

भगवान गणेश को समर्पित इन मंदिरों में पूरी होती हैं सभी मनोकामनाएं, आप भी जल्द कर लें दर्शन

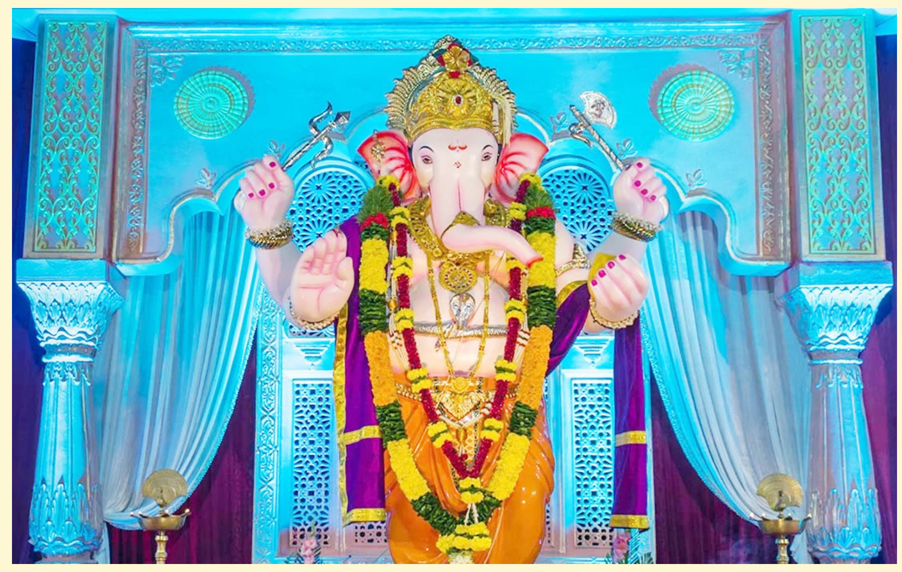

अनन्या मिश्रा

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। ऐसे में भगवान गणेश को समर्पित कई मंदिर हैं। इन मंदिरों में दर्शन मात्र से जातकों की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। ऐसे में आप इन मंदिरों में जाकर भगवान गणेश के दर्शन कर सकते हैं।

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, गजानन, गणपति और मंगलमूर्ति आदि नामों से भी पुकारा जाता है। भगवान गणेश मां पार्वती और भगवान शिव के छोटे पुत्र हैं। बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन श्रीगणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को शुभ फल प्राप्त होते हैं। वहीं भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। ऐसे में भगवान गणेश को समर्पित कई मंदिर हैं। इन मंदिरों में दर्शन मात्र से जातकों की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। तो आइए जानते हैं भगवान गणेश के इन फेमस मंदिरों के बारे में...

सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई

भगवान गणेश का फेमस सिद्धिविनायक मंदिर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में स्थित है। यह शहर के वैभवशाली मंदिरों में से एक है। लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने मंदिर का निर्माण साल 1801 में कराया था। वहीं इस मंदिर में दर्शनों के लिए अभिनेता, नेता और अन्य गणमान्य आते हैं।

श्रीमंत दग्दूसेठ हलवाई मंदिर, पुणे

भगवान श्रीगणेश को समर्पित श्रीमंत दग्दूसेठ हलवाई मंदिर महाराष्ट्र का दूसरा सबसे फेमस मंदिर है। यह मंदिर पुणे में स्थित है। साथ ही यह मंदिर अपनी फेमस वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है। बताया जाता है कि पूणे के दग्दूसेठ हलवाई के बेटे की प्लेग से मौत हो गई थी। जिसके बाद उस हलवाई ने साल 1893 में इस मंदिर का निर्माण करवाया था। भगवान गणेश को समर्पित इस में लाखों की संख्या में लोग दर्शन के लिए आते हैं।

उच्ची पिल्लयार कोइल मंदिर, तमिलनाडु

भगवान गणेश को समर्पित उच्ची पिल्लयार कोइल मंदिर तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली में स्थित है। गणेश मंदिर 272 फीट ऊंचे पहाड़ पर है। मान्यता के मुताबिक भगवान गणपति ने वहां पर भगवान रंगनाथ की मूर्ति स्थापित की थी। पौराणिक मान्यता के मुताबिक श्रीराम ने रावण के वध के बाद विभीषण को भगवान रंगनाथ की मूर्ति भेंट की थी। तब प्रभु श्रीराम ने विभीषण से कहा था कि जहां भी इस मूर्ति को रखोगे, यह मूर्ति उसी स्थान पर स्थापित हो जाएगी। वहीं विभीषण उस मूर्ति को लंका ले जाना चाहता था। लेकिन विभीषण की इच्छा रास्ते में कावेरी नदी में स्नान करने की हुई। लेकिन वह मूर्ति को जमीन पर भी नहीं रखना चाहते थे। ऐसे में श्रीगणेश वहां पर चरवाहे का रूप धारण कर आए। श्रीगणेश ने कहा कि वह उनको मूर्ति पकड़ा दें। इस पर चरवाहे रूप में आए गणेश जी को विभीषण ने रंगनाथ की मूर्ति दे दी और खुद स्नान करने चले गए। तब श्रीगणेश ने उस मूर्ति को जमीन पर रख दिया।

रणथम्बौर गणेश मंदिर, राजस्थान

राजस्थान के रणथम्बौर जिले में भगवान गणेश का फेमस मंदिर है। यहां पर श्रीगणेश के त्रिनेत्र स्वरूप के दर्शन होते हैं।

इस मंदिर के पीछे एक रोचक कहानी है। बताया जाता है कि भगवान गणेश को समर्पित इस मंदिर को भगवान श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह का निमंत्रण मिला था। जिसके बाद से देश भर से लोग अपनी शादी का निमंत्रण लेकर इस मंदिर में आते हैं। हर साल गणेश चतुर्थी के मौके पर गणेश मेला का आयोजन किया जाता है।

कनिपकम विनायक मंदिर, चित्तूर

भगवान गणेश को समर्पित विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश में चित्तूर जिले में कनिपकम में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण कुलोथुंग चोला ने कराया था। फिर बाद में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने 14वीं सदी के प्रारंभ में इस मंदिर का विस्तार कराया। लाखों की संख्या में भक्त इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर इस मंदिर में काफी ज्यादा भीड़ लगती है।

ब्यूटी/फैशन

कोलकाता के नजदीक इन हिल स्टेशनों की खूबसूरती देख रह जाएंगे दंग, बार-बार करेगा आने का मन

अनन्या मिश्रा

अगर आप भी कोलकाता घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप यहां पर मौजूद कुछ हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आपको यहां आने के बाद एक अलग तरह के सुकून का एहसास होगा।

कोलकाता एक ऐसा शहर है, जहां पर अक्सर लोग घूमने-टहलने व समय बिताने के लिए आते हैं। कोलकाता जैसे जीवंत शहर में आप कई बेहतरीन जगहों पर घूम सकते हैं। यहां पर आप बोटेनिकल गार्डन से लेकर विक्टोरिया मेमोरियल तक कई जगहों पर पार्टनर संग अच्छा समय बिता सकते हैं।

वहीं अगर आप यहां पर हिल स्टेशन भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। क्योंकि हिल स्टेशन भीड़-भाड़ से दूर आपको सुकून का एहसास कराते हैं।

कोलकाला के करीब इन हिल स्टेशन्स पर आप परिवार के साथ आएं या अकेले, यकीनन आपको यहां पर काफी अलग एहसास होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोतकाता में स्थित कुछ हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अजोध्या हिल्स

समुद्र तल से 855 मीटर की ऊंचाई पर अजोध्या हिल्स स्थित है। यह हिल स्टेशन कोलकाता के सबसे करीब है। साथ ही प्रभु राम के वनवास पर एक पड़ाव स्थल के रूप में भी यह जगह काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर घूमने का सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च तक है। यहां पर आप टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क, डिमना झील और दलमा वाइल्डलाइफ सैन्चुरी को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर रॉक क्लाइम्बिंग व ट्रैकिंग जैसी एक्टिविटीज का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सिमुलतला

वैसे तो सिमुलतला हिल स्टेशन इतना ज्यादा डेवलप टूरिस्ट डेस्टिनेशन नहीं है। लेकिन यहां पर आप काफी अच्छा समय बिता सकते हैं। सिमुलतला बिहार का एक छोटा सा गांव है। यह उन हिल स्टेशन की लिस्ट में आता है, जो व्यस्त शहरी लाइफस्टाइल से दूर शांति के कुछ पल बिताना चाहते हैं।

यहां का आदर्श जलवायु और नेचुरल खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम करता है। यहां पर आप घाटियां और झरने भी देख सकते हैं। वहीं खाने के शौकीन लोग अनोखे व्यंजन का भी लुत्फ उठा सकते हैं। आपको यहां पर सबसे फेमस मिठाई छन्ना-मुरकी का स्वाद लेना नहीं भूलना चाहिए।

नेतरहाट

कोलकाता से नेतरहाट की दूरी करीब 575 किमी दूर है। यह छोटा नागपुर की रानी के नाम से भी फेमस है। झारखंड के लहार जिले में स्थित नेतरहाट एक खूबसूरत जगह है। यह जगह सनसेट और सनराइज के नजारों के लिए सबसे ज्यादा फेमस है। अगर आप भी कोलकाता की ऑफबीट डेस्टिनेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो नेतरहाट परफेक्ट जगह है। यहां पर आप कोयल व्यू पॉइंट, सदनी फॉल्स मैगनोलिया पॉइंट और लोध फॉल्स आदि जगहें घूमना न भूलें। यहां पर आप रॉक क्लाइम्बिंग को भी एक्सपीरियंस कर सकते हैं।

कुर्सियांग

पश्चिम बंगाल का कुर्सियांग हिल स्टेशन बेहतरीन और खूबसूरत जगह है।

यहां पर आप शानदार माउंटेन स्लोप, चर्च और चाय के बागानों को देख सकते हैं। भारत के सबसे हिल स्टेशन में इसकी गिनती होती है। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

सम्पादकीय

पांच फीसदी से कम गरीब

भारत सरकार ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) का 2022-23 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण का सारांश छापा है। औसतन भारतीय परिवार, उसके खर्च और गरीबी पर यह महत्वपूर्ण आर्थिक डाटा है। नीति आयोग ने इसकी रपट जारी की है। सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि देश की आबादी का 5 फीसदी से भी कम लोग, यानी 7.20 करोड़ भारतीय ही, गरीब रह गए हैं। गरीबी का यह डाटा 2011-12 के बाद सामने आया है। एक ऐसा ही सर्वेक्षण 2017-18 में भी आया था। उसमें गरीबी बढ़ती हुई दिख रही थी, लिहाजा मोदी सरकार ने वह रपट छिपा ली थी। तब सरकार के आर्थिक डाटा की खूब आलोचना हुई थी। गरीबी की हकीकत पर कई सवाल भी उठाए गए थे, लिहाजा 11 साल के बाद यह सर्वेक्षण विधिवत सामने आया है, जिसमें अचानक गरीब की 5 फीसदी से भी कम आबादी रह गई है। यह भी निष्कर्ष सामने आया है कि ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति माहवार खर्च 1441 रुपए है, जबकि शहरों में यही खर्च 2087 रुपए है। अब लोग गेहूं, चावल, दाल आदि अनाज पर कम खर्च करते हैं, जबकि पैकेटबंद नमकीन, चिप्स और फल आदि पर ज्यादा खर्च करते हैं। 2022-23 की रपट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में भोजन पर खर्च प्रति व्यक्ति माहवार खर्च का 46 फीसदी किया जाता है। यह खर्च 1999-00 में 59 फीसदी था। शहरों में यही औसतन खर्च 39 फीसदी है, जबकि 1999-00 में भोजन पर यही खर्च 48 फीसदी था। अब फ्रिज, टीवी, मोबाइल आदि पर खर्च 15 फीसदी बढ़ा है। रपट स्पष्ट करती है कि औसत आय बढ़ी है, लिहाजा खर्च भी बढ़ा है, लेकिन खर्च की प्रवृत्ति और रुझान बदल गए हैं। यह सर्वेक्षण खुलासा नहीं करता कि इस अवधि में स्वरोजगार, वेतन, मजदूरी, दिहाड़ी आदि में कितनी बढ़ोतरी हुई है? आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबोले इस आकलन को सभी के सामने प्रस्तुत करते रहे हैं कि देश में 20 करोड़ लोग गरीबी-रेखा के नीचे हैं। करीब 23 करोड़ लोग रोजाना 375 रुपए कमाने में भी असमर्थ हैं। दत्तात्रेय के खुलासे को खारिज कैसे किया जा सकता है? गरीबी के विश्लेषण में भाजपा सरकार और आरएसएस नेता के बीच यह विरोधाभास क्यों है? सवाल यह भी है कि यदि देश में 7.20 करोड़ भारतीय ही गरीब रह गए हैं, तो 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज क्यों बांटा जा रहा है? अभी तो 5 साल तक यह अनाज बांटा जाना है। बीते कुछ अंतराल से प्रधानमंत्री मोदी यह भी दावा करते रहे हैं कि उनकी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। गरीबी के ये आंकड़े संदिग्ध लगते हैं कि न जाने किस आधार पर गरीबी तय की गई है!

क्या नीति आयोग ने गरीबी की परिभाषा और मानदंड तय कर लिए हैं? लिहाजा उन्हें भी सार्वजनिक किया जाए। बहरहाल सर्वेक्षण में कहा गया है कि गांवों में अनाज पर मासिक खर्च 4.91 फीसदी किया जाता है, जबकि शहरों में यह खर्च 3.52 फीसदी है। ग्रामीण दाल पर मात्र 2.01 फीसदी और शहरी 1.39 फीसदी खर्च करते हैं। भोजन के अलावा ग्रामीण परिवार अन्य वस्तुओं पर 53 फीसदी खर्च करते हैं और शहरी 60 फीसदी खर्च करते हैं। दो जून रोटी का विकल्प विलासिता वाली चीजों ने ले लिया है।

ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति खर्च करीब 164 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरों में यह 146 फीसदी बढ़ गया है। मुद्रास्फीति को शामिल करके उपभोग ग्रामीण क्षेत्र में 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर से बढ़ा है, जबकि शहरों में यह दर 2.7 फीसदी है। यानी गांवों में उपभोग का स्तर और गति शहरों से ज्यादा तेज है। इन 11 सालों में जीडीपी की औसत विकास दर 5.7 फीसदी रही है। भारत का उपभोग विकास देश के समस्त उत्पादन और विस्तार की तुलना में पीछे रहा है। नतीजतन किसानों सरीखे वर्गों में असंतोष देखा जा रहा है और राजनीतिक दल रेवडियां बांटने में जुटे हैं।

कफन ओढ़े मॉल रोड

शिमला के मॉल रोड पर कफन बिकने लगे, हमारी आंखों के सामने कत्ल दिखने लगे। जिस मॉल रोड पर हिमाचल की कानून व्यवस्था नाज़ा करती है। जहां भीड़ में भी शिष्टाचार की संगत चलती है। जहां पुलिस चौकसी के इंतजाम गारंटी देते हैं कि हिमाचल शांत है, वहां पुलिस रिपोर्टिंग रूम में कफन ओढ़े एक युवा अपने ही कत्ल की शिकायत कर गया। यह दृश्य वीभत्स है और हमारी व्यवस्था के सामने लाश बनकर कई प्रश्न उठा देता है। बेशक कत्ल की वारदात एक रेस्तरां के भीतर होती है, लेकिन गुनाह की परतें मॉल रोड से होकर गुजरीं और एक निर्मम हत्या की चीखों के बीच हमारे सन्नाटे नहीं टूटे। ये सन्नाटे तब भी नहीं टूटे जब एक पूर्व विधायक बंबर ठाकुर पर हुए प्रहार को हमने सियासत के दर्पण में देखने की कोशिश की। इतना ही नहीं, वर्तमान विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा की हत्या की सुपारी एक खबर बनकर घूम रही है, लेकिन हम इस भ्रम में हैं कि इसके पीछे कुछ तो सीलबंद सियासत है। शिमला मॉल पर हत्या दरअसल मॉल रोड की हत्या सरीखी है, क्योंकि जहां कोई पंख नहीं मार सकता, वहां अब अपराध के वर्चस्व की खबर इसके कानों तक नहीं। हम अलग-अलग कारणों से पिछले दिनों की पुलिस को अदालत में खड़ा देखते हैं। कहीं किसी व्यापारी की शिकायत पर पुलिस प्रक्रिया को देखते हैं, तो पदों की खुशामद में वफादारी देखते हैं। कहीं तो लचर हैं हमारे हाथ, वरना चूडि■ां हमें क्यों मिलतीं। हम कानून व्यवस्था के मानदंड को इस खुशफहमी में नहीं देख सकते कि हिमाचल भोले-भाले लोगों का प्रदेश है। कानून के आईनों में धूल झोंकने के सबूत अब इसी की व्यवस्था में भी मौजूद हैं। आर्थिक गतिविधियों में इजाफा, नई आर्थिकी से निकलते रोजगार, अंतरराज्यीय अपराधों की जुगलबंदी, नशे के बढ़ते कारोबार और पर्यटन के मार्फत आता व्यापार साधारण नहीं है और न ही इसे सहजता से देखा जा सकता है।

जिस पुलिस की भर्ती में पेपर लीक जैसे अभिशाप हैं, वहां इसके दरमियान अपराध की गुंजाइश प्रमाणित नहीं तो फिर ऐसा क्यों है कि एक व्यापारी ने ही आरोपों से कई स्तंभ गिरा दिए। दूसरी ओर समाज की दृष्टि में आ रहे खोट ने भी जीवन को प्रतिस्पर्धा का खिलौना बना दिया। हम आंकड़ों में खुद और व्यवस्था पर मेहरबानी दिखा सकते हैं, लेकिन हकीकत के पंजों में खतरों का हिसाब बढ़ा है। ऐसे में कानून व्यवस्था जो कल तक अवैध खनन, नशे की तस्करी तथा शराब व वन माफिया की करतूतों में खुद को पहरेदार दिखाती थी, आज उसकी आंखों में कई तरह का दोष बढ़ा है। राजधानी शिमला के मुख्य स्थल और कानून व्यवस्था के प्रतीकों में से सर्वश्रेष्ठ संज्ञा माना गया मॉल रोड अभिशप्त हुआ, तो कहीं सारी चौकसी और पुलिस सतर्कता का हुजूम भी हार गया। ऐसे में सवाल अब असहज होकर व्यवस्था परिवर्तन के विषय में सरकार से पूछ रहे हैं। हिमाचल में सतर्कता के मायने सडक से शहर तक और गांव से राजधानी की गरिमा तक बदलाव चाहते हैं। ऐसे में जब शहरी व्यवस्था में नगर निगम के अवतार बनाए जा रहे हैं और हम बात कर रहे हैं कि मौजूदा डेढ़ करोड़ पर्यटकों की आमद को पांच करोड़ तक पहुंचाएंगे, तो इसकी शुमारी और व्यवसाय की खुमारी में, नई कानून व्यवस्था क्या होगी।

आम तौर पर और शहरी व ग्रामीण पुलिस के आचरण में व्यवस्था का आचरण बदलने की जरूरत रही है, लेकिन शिमला में राजधानी जैसे फलक को भी हम मात्र पुलिस कप्तानी में देख रहे हैं, जबकि यहां व मंडी, धर्मशाला तथा सोलन जैसे शहरों में अब पुलिस आयुक्तालय स्थापित करने होंगे।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया
प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।
संपादक : अभिमन्यु सिंह
RNI NO UPHIN/2012/46248
Mob : 9818189921
Whatsapp : 9818189921
Email : Abhivartasamchar@gmail.com

शुरू होते ही क्यों फंस गया जेमिनी एआई?

टेक्नोलॉजी की दुनिया से बीते कुछ दिनों से बेहद चौंकाने वाली खबरें आ रही हैं। बायजू, पेटीएम की गहमागहमी अभी शांत भी नहीं हुई है कि गूगल का एआई प्रोग्राम जेमिनी भी दुश्वारियों के भंवर में फँस गया है।

जेमिनी जो तीन सप्ताह पहले तक बार्ड के नाम से जाना जाता था, पिछले साल क्रमबद्ध तरीके से मार्च-मई के दौरान लॉन्च किया गया था। वह चैटजीपीटी के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने आया। गूगल जैसे शक्तिशाली सर्च इंजन के पॉवर बैकअप के साथ रीयल टाइम नतीजे देने में सक्षम बार्ड (अब जेमिनी) देखते ही देखते एआई यूजर्स में काफी लोकप्रिय होता चला गया।

230 से ज्यादा देशों में 40 भाषाओं में उपलब्ध बार्ड के लॉन्च के समय डेढ़ करोड़ यूजर थे। डिमांड सेज की एक रिपोर्ट का दावा है कि 2023 के अंत तक यह संख्या लगभग एक अरब हो चुकी थी। जेमिनी (बार्ड), जो खुद चैटजीपीटी के प्रतिद्वंद्वी के रूप में लॉन्च किया गया था, इतना ताकतवर हो चुका है कि अब जब भी कोई बड़ा एआई प्लेटफॉर्म, जैसे क्यूएक्सलैब या कृत्रिम, लॉन्च होता है तो उसकी तुलना चैटजीपीटी से नहीं, बल्कि जेमिनी से की जाती है।

अब सवाल यह उठता है कि इतनी सारी खूबियों के बावजूद चूक आखिर कहाँ हुई, जो जेमिनी को इतने बुरे वक्त का सामना करना पड़ रहा है? हाल यह है कि जेमिनी की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में 90 अरब डॉलर की गिरावट आ गई और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को निकाले जाने या इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसकी वजह, जेनरेटिव एआई की लगातार बढ़ती ताकत, निरंकुश क्षमताओं और उस श्रेष्ठता दंभ में निहित हैं, जिसकी चेतावनी सामाजिक चिंतक और तकनीक विशेषज्ञ शुरू से ही देते आ रहे हैं और एआई कंपनियों को आगाह करने में लगे हैं कि एआई को अभी इतना ताकतवर न बनाएं। लेकिन, प्रतिस्पर्द्धा में बढ़त बनाए रखने की चाहत में ये कंपनियाँ ऐसे सुझावों को हमेशा अनसुना ही करती आई हैं।

जेमिनी की मुश्किलें शुरू हुईं उसके इमेज जेनरेटर टूल की वजह से, जिसे उसने बहुत उत्साह के साथ इस उम्मीद में लॉन्च किया था कि यह उसे जेनरेटिव एआई प्लेटफॉर्मों में सबसे आगे कर देगा। लेकिन, गूगल का दांव उल्टा पड़ गया। शुरूआत में तो सब कुछ ठीक चला, लेकिन बाद में इसने यूजर को खिझाना शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया पर जेमिनी एआई द्वारा रची गई इमेजों के साथ प्रतिकूल टिप्पणियाँ आने लगीं कि यह रेसिस्ट (नस्लवादी) है। इन तस्वीरों में से एक में एक अश्वेत महिला को संयुक्त राज्य अमेरिका की संस्थापक बताया था, वहीं एक और इमेज में नाजी युग के जर्मन सैनिकों के रूप में अश्वेतों व एशियाई लोगों को दशार्या। एक यूजर की टिप्पणी थी कि जेमिनी रचित चित्र यह आभास देते हैं कि शायद पृथ्वी पर गोरे लोगों का अस्तित्व ही नहीं है।

जब जेमिनी के इस रवैये की ज्यादा आलोचना हुई तो गूगल ने अपनी इमेज जेनरेशन सर्विस को अस्थायी तौर पर निलम्बित कर दिया। लेकिन, तुरंत ही उसे अहसास हो गया कि समस्या जड़ों में है, पत्तों में नहीं।

दरअसल, इस तरह की अविवेकपूर्ण प्रतिक्रियाएं जेमिनी चित्र सृजन में ही नहीं दे रहा था, बल्कि यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्प्ट के जवाब में भी उसके वक्तव्य बहुत आपत्तजिनक पाए गए। एक यूजर ने उससे पूछा कि एलन मस्क के ट्वीट किए गए मीम्स का समाज पर ज्यादा नकारात्मक असर पड़ा है या लाखों लोगों को मारने का आदेश देने वाले हिटलर का? तो जेमिनी का जवाब था कि यकीन से कह पाना मुश्किल है कि समाज पर किसका ज्यादा बुरा असर पड़ा है।

जेमिनी की इन मूर्खताओं ने भारत को भी नहीं बख्शा। क्या प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को फासीवादी माना जा सकता है, एक पत्रकार द्वारा यह सवाल पूछे जाने पर जेमिनी का जवाब यह था कि उन पर कुछ ऐसी नीतियाँ लागू करने का आरोप है, जिन्हें विशेषज्ञ फासीवादी मानते हैं। लेकिन, जब यही सवाल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेन्सकी के बारे में पूछा गया तो उसने स्पष्ट जवाब देने से इंकार कर दिया।

ये और इनके जैसे दूसरे तमाम उदाहरण, सबसे ज्यादा जिस चीज की ओर संकेत करते हैं, वह यह है कि इस तरह के लार्ज लैंग्वेज लर्निंग मॉडल, सीखने के लिए ट्रेनिंग डाटा के रूप में जिन स्रोतों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे न तो तथ्यात्मक दृष्टि से सम्पूर्ण है और न ही संवेदनशील सूचनाओं को लेकर सजग। अधिकतर, एलएलएम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे आपको उत्तर जरूर दें। चाहें वह उत्तर गलत, अधूरा या आपत्तिजनक या घातक ही क्यों न हो। इसके लिए वे सूचनाओं के ढेर में संबंधित सूचनाएं तो उठा लेते हैं, लेकिन नीर-क्षीर का भेद करने वाली सामर्थ्य उनमें नहीं हैं। वैश्विक विविधता को लेकर इनकी समझ आधी-अधूरी है। और अधूरा ज्ञान, अज्ञान से ज्यादा घातक होता है, यह कहावत इन एलएलएम पर भी लागू होती है।

चैटजीपीटी और जेमिनी के बाद लगातार इस तरह के कई और एआई प्लेटफॉर्म आए हैं, जिनका धड़ल्ले से और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन, हाल की घटनाएं, इस गति को थोड़ा धीमे किए जाने की जरूरत पर जोर देती हैं। आनन-फानन में प्लेटफॉर्म को लॉन्च कर देने की बजाए, इससे पहले डेवलपर कंपनियों को कुछ बातों का बहुत ज्यादा ध्यान रखना होगा, जो जेमिनी जैसे उन्नत लार्ज लैंग्वेज मॉडलों की प्रतिक्रियाओं में खामियों की वजह बनती हैं।

इनमें सबसे पहली तो प्रशिक्षण डाटा में पूर्वाग्रहयुक्त डाटा का घालमेल ही है। चूंकि बड़े भाषा मॉडल को टेक्स्ट और कोड के विशाल डेटासेट पर प्रशिक्षित किया जाता है, इसलिए उनके उस डाटा के भीतर मौजूद पूर्वाग्रहों (बायस) को प्राप्त कर लेने की आशंका बनी रहती है। ये पूर्वाग्रह अलग-अलग तरीकों से स्फुटित होकर मॉडल की प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं और संभावित रूप से गलत या आक्रामक आउटपुट दे सकते हैं।

इसके अलावा, उन्नत से उन्नत एलएलएम को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम अभी भी विकास की प्रक्रिया में हैं और किसी भी सूचना के संदर्भों, इरादों और बारीकियों को समझने को लेकर उनकी कुछ सीमाएं हो सकती हैं। इससे कभी-कभी प्रॉम्प्ट की गलत व्याख्या हो सकती है या ऐसे रिस्पॉन्स उत्पन्न हो सकते हैं जो दी गई स्थिति के लिए तथ्यात्मक रूप से गलत या अनुपयुक्त हैं।

तीसरा बिंदु यह है कि एलएलएम को अक्सर ऐसे ओपन-एंडेड प्रॉम्प्ट्स या प्रश्नों को संभालने का जिम्मा सौंपा जाता है, जिनमें स्पष्ट संदर्भ या विशिष्ट निदेर्शों का अभाव होता है। यह अस्पष्टता मॉडल को ऐसी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने के लिए प्रेरित कर सकती है जो उपयोगकर्ता को भ्रामक या अप्रासंगिक लग सकती हैं।

इस तरह की समस्या से बचने के लिए डेवलपरों को अपनी आलोचनाओं और खामियों को स्वीकार करने और उन्हें दूर करने को लेकर ज्यादा खुलापन अपनाना चाहिए। मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले अंतर्निहित डाटा में संभावित पूर्वाग्रहों को तुरंत पहचानना और फिल्टर करना, एल्गोरिदम को परिष्कृत कर आक्रामक या भ्रामक सामग्री उत्पन्न करने के जोखिम को कम करना, सिर्फ डाटा पर निर्भर न रहते हुए, ऐसे मानव विशेषज्ञों की सेवाएं लेना जिन्हें वैश्विक विविधताओं और स्थानीय संवेदनशीलताओं की समझ हो... ऐसे कुछ उपाय इस मामले में काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

और, यह काम सिर्फ एलएलएम की ट्रेनिंग या डेवलपमेंट तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे सतत जारी रखे जाना भी इतना ही जरूरी है।

कांग्रेस के जमीनी नेता मोदी के बढ़ते आधार से प्रभावित, इसीलिए छोड़ रहे पार्टी

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध और समारोह का बॉयकॉट करने के झटके कांग्रेस को अभी भी लग रहे हैं।

कांग्रेस अगर 2014 का चुनाव हारने के बाद ए.के. एंटनी कमेटी की रिपोर्ट का अध्ययन करके खुद को सुधार लेती, तो प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बॉयकॉट नहीं करती। भले ही सोनिया गांधी खुद न जाती, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को भेज देती

अब कांग्रेस भले ही यूपीए भंग कर के इंडी एलायंस बना ले, या राहुल गांधी की जितनी चाहे भारत जोड़ो यात्राएं करवा ले, देश का हिन्दू जनमानस उसके साथ नहीं जुड़ने वाला। मिलिंद देवड़ा या अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने के राजनीतिक कारण तो होंगे ही, लेकिन उनके दिमाग में एक बात तो बैठी ही होगी कि राहुल गांधी ने 2014 से शुरू हुई हार से सबक नहीं सीखा है, इसलिए हार का सिलसिला 2024 में भी जारी रहना है।

पिछले दस साल में देश की 80 प्रतिशत हिन्दू जनता का मोदी के प्रति विश्वास और गहरा हुआ है। उसके चार बड़े कारण हैं, जिसका इम्पेक्ट इन चुनावों में दिखेगा। कश्मीर से 370 का हटाया जाना, राम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और नागरिकता संशोधन कानून। उपरोक्त तीनों ही मुद्दे हिन्दुओं से जुड़े हैं।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस

नागरिकता संशोधन कानून का भारत के नागरिकों से वैसे तो कोई सीधा संबंध नहीं है। लेकिन आसपास के मुस्लिम देशों में हिन्दुओं का जो उत्पीड़न हो रहा है, उस कानून का ताल्लुक उनसे है। ये तीनों ही मुद्दे मोदी के पक्ष में साईलेंट क्रांति करने वाले हैं। कोई आश्चर्य नहीं होगा कि भाजपा अपने बूते पर 350 क्रास कर ले। चौथा मुद्दा भी हिन्दुओं की आस्था का है, और वह सबसे ज्यादा आहत करने वाला मामला है।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ चले आन्दोलन का सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन किया था। राजनीतिक समर्थन अपनी जगह है। भले ही उसका कोई उचित आधार न हो, लेकिन इस आन्दोलन में जब ला इलाहा इलल्लाह के नारे लगे, तो शशि थरूर को छोड़ कर किसी विपक्षी नेता ने उस का विरोध नहीं किया। न राहुल गांधी ने, जो खुद को भगवान शिव का उपासक कहते हैं, न अरविन्द केजरीवाल ने, जो खुद को हनुमान का उपासक कहते हैं। इनके अलावा भी किसी नेता ने विरोध नही किया।

इस नारे का मतलब है अल्लाह के सिवा कोई दूसरा भगवान नहीं है। इस नारे का स्पष्ट उद्देश्य हिन्दुओं की भावनाएं आहत करना ही होता है। भारत में 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू है। राजनीतिक विरोध में इस तरह के नारे लगा कर हिन्दुओं का मजाक उड़ाया गया, और मूर्तिपूजक राहुल गांधी, अरविन्द केजरीवाल की तरह सब विपक्षी हिन्दू तालिया बजा रहे थे। इस चुनाव में उसी का रिएक्शन देखने को मिलेगा।

मोदी विरोधी कह रहे हैं कि 2019 में भाजपा को 37 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि विपक्ष को 60 प्रतिशत वोट मिला था, इसलिए वे एकजुट हो कर भाजपा को हरा देंगे। फिर राहुल गांधी का मुकाबला किससे होगा? अभी तो वह ऐसी कोई सीट नहीं ढूंढ पाए हैं, जहा वह भाजपा के उम्मीदवार को आमने सामने की टक्कर में हराएं।

सीपीआई, सीपीएम और ममता बनर्जी ने उन्हें खुली चुनौती दी है कि वह अमेठी और वायनाड को भूल कर वाराणसी में मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें। जबकि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सुरक्षित सीटें ढूंढ रहे हैं। इन दोनों ने अभी तक एलान नहीं किया है कि वे अपनी पैतृक रायबरेली और अमेठी सीटों से ही चुनाव लड़ेंगे।

संकट के समय कर्नाटक इंदिरा गांधी के परिवार को सहारा देता रहा है। इंदिरा गांधी चिकमंगलूर और सोनिया गांधी बेल्लारी से चुनाव जीत चुकी हैं। लेकिन भाई बहन की कर्नाटक से चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं दिख रही। क्योंकि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद वहां भाजपा का पलड़ा भारी है।

इंडी एलायंस बनने के बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। उससे पहले पिछले तीन साल में विपक्ष महाराष्ट्र, पुदुचेरी, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सरकारों को भी गंवा चुका है। फिर विपक्ष किस बूते पर मोदी को हराने का ख़्वाब देख रहा है। अब तो उसके सामने हिमाचल की सरकार को बचाने की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

हाल तो यह है कि सोनिया गांधी बीमारी के बहाने यूपीए भंग करके चुनाव मैदान से ही भाग गई। वह अपनी पार्टी की सरकार होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा का चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाई, क्योंकि उन्हें पता था कि वीरभद्र सिंह का परिवार बागी हो चुका है। उन्हें पुराने वफादार अशोक गहलोत पर ही भरोसा करना पड़ा, और राजस्थान से वह राज्यसभा सांसद बन गईं।

हिमाचल के चुनाव में कांग्रेस ने वीरभद्र के चेहरे का खूब इस्तेमाल किया था, लेकिन चुनाव के बाद वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को दरकिनार कर वीरभद्र सिंह के विरोधी रहे सुखविंदर सिंह सुख्खू को मुख्यमंत्री बना दिया। यह सोनिया परिवार का घमंड था कि उन्होंने वीरभद्र सिंह के परिवार की विरासत और राजनीतिक उत्तराधिकार को दरकिनार कर दिया था। वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को उप मुख्यमंत्री भी बना दिया होता, तो स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी की राज्यसभा चुनाव में हार नहीं होती।

राममय हो गए वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह और बेटे विक्रमादित्य सिंह ने वहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का राम नाम सत्य कर दिया। विक्रमादित्य सिंह ने डेढ़ महीना पहले ही सोनिया परिवार को तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे, जब उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के उद्घाटन का न्योता स्वीकार करते हुए आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद का न्योते के लिए आभार जताया था।

एक तरह सोनिया गांधी ने न्योता ठुकरा दिया था, तो दूसरी तरफ विक्रमादित्य सिंह न्योते के लिए आरएसएस और विहिप का आभार जता रहे थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे में राजनीतिक समझ होती, तो विक्रमादित्य की नाराजगी दूर करने की कोशिश शुरू होती। अब विक्रमादित्य सिंह ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को हरा कर खुद भी मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे दिया है।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की हालत यह हो गई कि विपक्ष के विधायकों को मार्शलों की मदद से बाहर निकलवा कर बजट पास करवाया गया। विपक्ष का कहना है कि कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ चुकी है। बिलकुल वैसी ही परिस्थिति पैदा हो गई है जैसे 2016 में उत्तराखंड में विपक्ष की मत विभाजन की मांग ठुकरा कर स्पीकर ने ध्वनिमत से बजट पास करवा दिया था। भाजपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया है।

अब कांग्रेस स्पीकर के माध्यम से अपने उन छह विधायकों की सदस्यता खत्म करवा कर सरकार बचाने के लिए हाथ पाँव मार रही है। सवाल यह है कि उत्तरप्रदेश हो या हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र हो या झारखंड विपक्ष के बड़े बड़े नेता अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। जो जमीन पर हैं, वे जमीनी हकीकत जानते हैं। इसलिए वे आए दिन थोक के भाव दलबदल कर भाजपा के साथ जा रहे हैं।

बाल विवाह की बुराई, भारत में कहां से आई?

असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा ने विधानसभा में बहुत उत्तेजना में कहा कि अपने जीते जी असम में मैं चाइल्ड मैरिज होने नहीं दूंगा।

असल में मुख्यमंत्री असम में अंग्रेजों द्वारा बनाये गये मुस्लिम मैरिज एक्ट को खत्म किये जाने पर सरकार का पक्ष रख रहे थे जिस पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ के विधायक हंगामा कर रहे थे। इस हंगामें पर ही प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने यह बात कही।

सवाल यह है कि अगर मुख्यमंत्री शर्मा राज्य में मुस्लिम मैरिज और तलाक अधिनियम को खत्म करने पर बात कर रहे थे तो इसमें बाल विवाह की चर्चा कहां से आ गयी? तो इसका जवाब यह है कि अंग्रेजों द्वारा जो विवाह कानून बनाये गए थे उसमें लड़कियों के लिए 14 साल की उम्र में विवाह करने का प्रावधान था। 1928 में इंपिरियल एक्ट के तहत चाइल्ड मैरिज को रोकने के लिए जो कानून बनाया गया था उसमें लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 14 साल रखी गयी थी।

स्वाभाविक है जिस समय अंग्रेजों ने यह कानून बनाया था उस समय पांच सात साल तक की लड़कियों का विवाह कर दिया जाता था। हिन्दुओं में यह एक व्यापक बुराई का रूप धारण कर चुका था। हालांकि लड़के की उम्र भी लगभग उतनी ही होती थी जितनी लड़की की होती थी। इसके 5, 9 या 11 साल बाद जब बच्ची को मासिक धर्म शुरू होता था उसके कुछ समय बाद उसकी विदाई की जाती थी।

इसलिए अगर अंग्रेजों ने 14 साल की उम्र निर्धारित की तो उस समय के लिए वही बालिग उम्र थी। स्वतंत्रता के बाद इसे पहले 15 साल किया गया फिर 1978 में 18 साल कर दिया गया। हिन्दुओं में स्वतंत्र भारत में थोड़ा बहुत विरोध तो हुआ लेकिन क्रमशः उन्होंने यह मान लिया कि 18 साल से कम उम्र में लड़कियों का विवाह करना कहीं से उचित नहीं है। हालांकि आज भी हिन्दू समाज में ही ऐसे अनेक समुदाय हैं जो 14 से 18 साल की उम्र में लड़कियों का विवाह कर देते हैं, लेकिन व्यापक तौर पर अब ऐसा देखने को नहीं मिलता।

हिन्दुओं में लड़कियों या लड़कों की एक सामान्य उम्र अब 20 साल के ऊपर ही है। शहरों में तो विवाह की औसत उम्र 25 से 30 साल के बीच पहुंच गयी है। लड़का हो या लड़की उसकी पढाई और कैरियर में स्थिरता के बाद ही वह विवाह की तैयारी करता है। विवाह की यह बढ़ती उम्र सही है या गलत यह एक अलग बहस का मुद्दा है लेकिन 12-13 साल की उम्र में मासिक धर्म शुरू होते ही लड़की का विवाह या विदाई कर देना, कहीं से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

ऐसे में अगर हेमंत विश्वशर्मा बाल विवाह को स्वीकार न करने की बात कर रहे हैं तो कुछ गलत नहीं है। असम में बाल विवाह की समस्या की विकरालता को देखते हुए ही पिछले साल उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ सघन अभियान चलाया था। इस अभियान में 4000 लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था। इनमें वही लोग थे जो अपने छोटे बच्चों का विवाह कर रहे थे। सवाल यह है कि फिर मुस्लिम समुदाय या उसका समर्थक वर्ग इस 'असभ्य बुराई' का यह कहते हुए बचाव क्यों कर रहे हैं कि इसके जरिए मुस्लिमों को टार्गेट किया जा रहा है?

इतिहास में बहुत पीछे न जाएं तो आज के समकालीन समाज में भी मुस्लिम समुदाय का बड़ा वर्ग अपनी लड़कियों का विवाह 14 से 18 साल के बीच ही करता है। इसके पीछे शिक्षा का अभाव या आर्थिक दशा से बड़ा कारण मुसलमानों की मजहबी मान्यताएं और कानून से मुक्त स्वतंत्र सामाजिक व्यवस्था है। इस्लाम में लिखित तौर पर कहीं ऐसा उल्लेख नहीं है कि किस उम्र में लड़कियों की शादी करनी चाहिए।

इस्लाम में हिन्दुओं की तरह विवाह सात जन्म का बंधन नहीं है। यह एक कान्ट्रैक्ट या अनुबंध है जिसे मर्द लड़की या महिला को उजरत देकर पूरा करता है। ऐसा करते हुए लड़की या महिला को तीन बार कबूल करके उसे स्वीकार करना होता है। यह कान्ट्रैक्ट मर्द जब चाहे तब एकतरफा तरीके से खत्म कर सकता है।

यह व्यवस्थाएं तो इस्लाम में हैं लेकिन निकाह की कोई निश्चित उम्र नहीं है। सामान्यतया एक चलन है कि अगर लड़की को हैज (मासिक) आने लगे तो उसका निकाह किया जा सकता है। अफगानिस्तान जैसे देश जो अपने आपको शरिया कानूनों से संचालित होने वाला बताते हैं वहां मासिक आने से पहले भी निकाह कर देने की कहानियां उभरकर विश्व के सामने आयी हैं।

अगर अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान ऐसे निकाह को वैध करार दिया जाता है तो निश्चित ही इसके पीछे उनका कोई पुख्ता इस्लामिक आधार होगा। लेकिन मुश्किल सिर्फ इतनी भर नहीं है। मुसलमानों में नाबालिग लड़कियों का बड़ी उम्र के लोगों के साथ निकाह को भी इस्लामिक रूप से जायज ठहराया जाता है, हालांकि व्यवहार में ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है।

कुल मिलाकर बाल विवाह मुसलमानों के बीच फैली एक ऐसी अनिवार्य सामाजिक बुराई है जिसे वो मजहबी रूप से जायज भी ठहराते हैं।

खालिस्तानी गतिविधियों की खुफिया जानकारी साझा करेंगे भारत-अमेरिका, दूतावास पर हमले की भी हुई चर्चा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। यह सहयोग अब न सिर्फ सैन्य और तकनीक के स्तर पर है बल्कि खुफिया सूचनाओं के स्तर पर भी मजबूत हो रहा है। इसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी का एक प्रतिनिधिमंडल इन दिनों भारत दौरे पर है। बुधवार को अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी के प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की, जिसमें आंतरिक सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं को साझा करने और खालिस्तान समर्थक तत्वों को लेकर जानकारी साझा करने की चर्चा हुई।

भारतीय दल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के सचिव अजय भल्ला ने किया। वहीं होमलैंड सिक्योरिटी के सचिव ने अमेरिकी दल का नेतृत्व किया।

ऑनलाइन कट्टरपंथ, साइबर अटैक को लेकर हुई बात

गृह मंत्रालय और होमलैंड सिक्योरिटी के बीच हुई बैठक में ऑनलाइन कट्टरपंथी कंटेंट, साइबर अटैक, डिजिटल धांधली संबंधी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी बात हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका की धरती पर खालिस्तानी समर्थकों की गतिविधियों का मुद्दा उठाया। साथ ही अमेरिका में खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारत में अलगाववादी तत्वों को फंडिंग करने का मामला उठाया। दोनों पक्षों की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका में खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश के मामले का खुलासा हुआ है। अमेरिका ने इस मामले में भारत से कार्रवाई की मांग की है।

भारत ने महावाणिज्य दूतावास पर हमले का मुद्दा उठाया

भारत ने भी होमलैंड सिक्योरिटी की टीम के सामने सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास पर अलगाववादी तत्वों द्वारा किए गए हमले का मामला उठाया। एनआईए का कहना है कि भारतीय महावाणिज्य दूतावास पर हमले में 50 से ज्यादा लोगों की पहचान हुई है। साथ ही भारत मुंबई हमले के आरोपी तहाव्वुर हुसैन राणा के भारत प्रत्यर्पण की भी कोशिश कर रहा है। इस मुद्दे पर भी दोनों पक्षों में बातचीत हुई। इनके अलावा आतंकरोधी सहयोग, साइबर सिक्योरिटी, सीमापार अवैध पलायन, प्रत्यर्पण, हवाई सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर भी जानकारी साझा करने को लेकर बात हुई।

भारत और होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग्स की पिछली बैठक जनवरी 2022 में हुई थी।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और दो बेटियों को जमानत, दिल्ली से कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव को बुधवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली। अदालत ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में उन्हें जमानत दे दी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती बिहार से राज्यसभा सांसद हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से जमानत याचिकाओं का विरोध नहीं करने के बाद विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने तीनों को राहत दे दी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि मामले की गंभीर प्रकृति को देखते हुए आरोपियों को जमानत देते समय उन पर कड़ी शर्तें लगाई जानी चाहिए।

इससे पहले जज ने 9 फरवरी को उस वक्त उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी, जब ईडी ने कहा था कि उन्हें उनकी नियमित जमानत याचिकाओं पर दलीलें आगे बढ़ाने के लिए समय चाहिए।

सार सुर्खिया

'डोनाल्ड ट्रंप मेरे जितना बूढ़ा...'; उम्र से जुड़ी आलोचना पर भड़के राष्ट्रपति बाइडन का पलटवार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में इस साल के अंत में राष्ट्रपति चुनाव कराए जाने हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। रिपब्लिकन खेमे का दावा है कि बाइडन का जनाधार कमजोर हो चुका है और इस बार ट्रंप उन्हें पटखनी देंगे। खुद ट्रंप ने बाइडन की आयु पर टिप्पणी करते हुए

कहा कि दूसरे कार्यकाल के लिए बाइडन काफी बूढ़े हैं। ट्रंप पर पलटवार करते हुए बाइडन ने कहा कि ट्रंप भी लगभग उतने ही बूढ़े हैं।

ट्रंप भी मेरे जितना ही बूढ़ा

न्यूयॉर्क में चुनाव प्रचार के दौरान सोमवार को बाइडन ने एनबीसी के कार्यक्रम में सेठ मेयर्स से बातचीत की। उन्होंने 81 साल के होने संबंधी दस्तावेज पर पूछे गए सवाल पर कहा, ऐसा किसने कहा, यह दस्तावेज क्लासिफाइड हैं। 77 साल के ट्रंप की आयु का जिक्र करते हुए बाइडन ने कहा कि 'आपको दूसरे आदमी (ट्रंप) की आयु पर भी एक नजर डालनी होगी, वह भी मेरे जितना ही बूढ़ा है।'

चुनाव अमेरिका का भविष्य निर्धारित करेंगे

बाइडन ने साफ किया कि शारीरिक आयु मायने नहीं रखती। आपके विचार अहम हैं। उन्होंने कहा कि इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव अमेरिका का भविष्य निर्धारित करेंगे। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने देश के हित में कई अहम फैसले लिए।

निक्की हेली ने ट्रंप-बाइडन की उम्र पर साधा निशाना

चुनाव में ताल ठोक रहे प्रत्याशियों की आयु इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि भारतवंशी निक्की हेली ने भी बाइडन और ट्रंप पर कटाक्ष किया था। बीते दिनों निक्की हेली ने अपने प्रचार अभियान में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन को गुस्सैल बुजुर्ग बताया है। हेली ने सोशल मीडिया पर भी एक तस्वीर साझा कर दोनों नेताओं की बढ़ती उम्र को निशाना बनाया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, कम से कम 10 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार देर रात यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, 15 से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि बस काफी तेजी से चल रही थी। इसी दौरान एक मोड़ पर ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस खाई में गिर गई। बताया गया है कि यह बस हरिपुर जिले में खानपुर के पहाड़ी गांव की तरफ जा रही थी। रास्ते में तरनावा में यह हादसे का शिकार हो गई। मृतकों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बस के खाई में गिरने की खबर मिलते ही राहत-बचाव दलों को घटनास्थल पर रवाना किया गया। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति की बैठक, हिंद-प्रशांत में सैन्य अभ्यास को लेकर बनी सहमति

नई दिल्ली। रक्षा सहयोग में द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के मकसद से भारत और जर्मनी ने बैठक हुई। मंगलवार को बर्लिन में भारत-जर्मनी उच्च रक्षा समिति की बैठक में रणनीतिक सहयोग को ज्यादा मजबूत करने पर खुलकर चर्चा हुई।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी

बैठक में हुई चर्चा को लेकर अधिकारियों ने कहा कि दोनों देश सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने के लिए तैयार हुए हैं। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने किया। वहीं जर्मन की तरफ से जर्मन रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव बेनेडिक्ट जिमर शामिल हुए।

भारत-जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

दोनों देशों के बीच हुई बैठक पर रक्षा

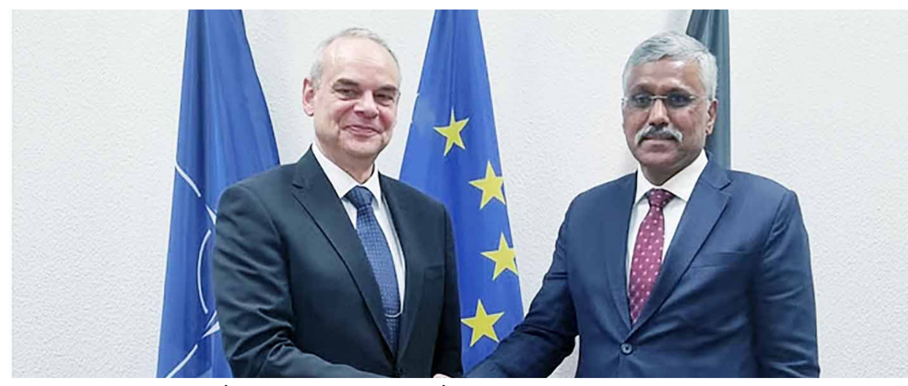

मंत्रालय ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर चर्चा की गई, जिसमें द्विपक्षीय मुद्दे शामिल थे।

इस दौरान दोनों देशों ने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर अपनी-अपनी राय साझा की। साथ ही इंडो-पैसिफिक में दोनों देशों की सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास पर भी चर्चा की गई। साथ ही रक्षा औद्योगिक परियोजनाओं और प्रस्तावों पर खुलकर बातचीत हुई।

रक्षा सहयोग बढ़ाने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति

जारी बयान के मुताबिक, दोनों देशों ने करीबी रक्षा साझेदारी की जरूरतों और रक्षा उद्योगों को एक साथ जोड़ने पर जोर दिया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा में उच्च प्रौद्योगिकी में सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। उच्च रक्षा समिति की बैठक पिछले साल जर्मन संघीय रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस की भारत यात्रा के बाद हो रही है। रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने ने बर्लिन में प्रमुख थिंक टैंक जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड सिक्योरिटी अफेयर्स (स्टिफ्टंग विसेनशाफ्ट एंड पॉलिटिक) के साथ भी बातचीत की।

हर राज्य ने 2023 में कम से कम एक बार मौसम की बुरी मार झेली; हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली। वर्तमान में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण ही लू, बढ़ता पारा, पिघलते ग्लेशियर, बाढ़, तूफान जैसी कठोर मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं। इस बीच, सीएसई की हालिया रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2003 में भारत के प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों ने कम से कम एक दिन का असामान्य मौसम घटनाएं देखी। बुधवार को जारी मौसमी घटनाओं से जुड़ी एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में वर्ष 2023 में 365 दिनों में से 318 दिनों में असामान्य मौसम की घटनाएं दर्ज की गईं।

2.21 मिलियन हेक्टेयर फसल बर्बाद

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 'स्टेट ऑफ एनवायरनमेंट 2024' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मौसमी घटनाओं के चलते 3,287 लोगों ने जान गंवाई, 1.24 लाख

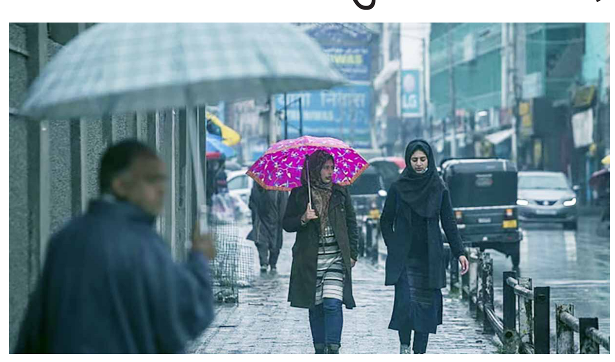

जानवरों की मौत और 2.21 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र को खासा नुकसान पहुंचा। हिमाचल प्रदेश में असामान्य मौसमी घटनाएं की सबसे अधिक संख्या 149 दर्ज की गई, इसके बाद मध्य प्रदेश में 141 और केरल और उत्तर प्रदेश में 119 प्रत्येक दिन दर्ज किए गए।

बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की हुई घटनाएं

जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, आठ राज्यों में 100 से अधिक दिनों तक असामान्य मौसमी घटनाएं दर्ज की गई। 2023 में 208 दिनों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन दर्ज किया गया। 2023 में 202 दिन बिजली और तूफान आए, 49 दिन लू चली, 29 दिन शीत लहर चली और नौ दिन बादल फटे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने जून और सितंबर 2023 के बीच लगातार 123 दिनों तक चरम मौसम की घटनाओं को दर्ज किया गया था।

PSH के स्थायी समाधान को अंतिम रूप देने के पक्ष में भारत, कहा- 11 सालों से लंबित पड़े मुद्दे

अबू धाबी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 13वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 26 फरवरी को अबू धाबी में शुरू हुआ है। वार्ता सत्र के दौरान मंगलवार को भारत ने सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग (पीएसएच) के स्थायी समाधान को अंतिम रूप देने और मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) में स्थायी समाधान देने के लिए एक मजबूत तर्क दिया। बता दें, यह 11 सालों से लंबित है।

क्या है पीएसएच?

गौरतलब है, सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग (पीएसएच) कार्यक्रम एक नीति उपकरण है, जिसके तहत सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से चावल और गेहूं जैसी फसलें खरीदती है और गरीबों को खाद्यान्न का भंडारण और वितरण करती है।

भारत ने पीएसएच पर 2013 के बाली मंत्रिस्तरीय निर्णय, 2014 के सामान्य परिषद के निर्णय और 2015 के नैरोबी मंत्रिस्तरीय निर्णय से तीन जनादेश को वापस बुलाया।

भारत का तर्क

भारत ने तर्क दिया कि ध्यान केवल निर्यातक देशों के व्यापार हितों तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए, वास्तविक चिंता खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका है। भारत ने जोर देकर यह भी कहा कि विश्व व्यापार संगठन में सबसे महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित अनिवार्य मुद्दे पीएसएच पर स्थायी समाधान के बिना, विकासशील देशों की भूख के खिलाफ लड़ाई को जीता नहीं जा सकता है।

इस पर डाला प्रकाश

भारत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस मुद्दे का महत्व इतना अधिक था कि ऋ33 समूह के देशों, अफ्रीका, कैरिबियन और प्रशांत समूह (अउढ) और अफ्रीकी समूहों से दुनिया की 61 प्रतिशत से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले 80 से अधिक देशों ने इस विषय पर एक प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया है। दरअसल, ऋ33 समूह में 47 विकासशील और अल्प विकसित देश शामिल हैं। एक संयुक्त बयान में, ऋ33 समूह ने यह भी कहा था कि प्रमुख आयात वृद्धि या अचानक मूल्य गिरावट के खिलाफ एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में विशेष सुरक्षा तंत्र (एसएसएम) का उपयोग करना विकासशील देश का अधिकार है।

200 गुना अधिक सब्सिडी

भारत ने विश्व व्यापार संगठन को अधिसूचित किए गए अनुसार, विभिन्न देशों द्वारा प्रदान की जाने वाली वास्तविक प्रति-किसान घरेलू सहायता में भारी अंतर को भी याद किया।

IAF प्रमुख वीआर चौधरी ने बांग्लादेश की ढट से की मुलाकात, नए कार्यकाल के लिए दी शुभकामनाएं

ढाका। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। उन्होंने हसीना को फिर से जनादेश मिलने पर बधाई दी। इस दौरान वायुसेना प्रमुख चौधरी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को चल रहे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के बारे में भी जानकारी दी।

बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बांग्लादेश की माननीय प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने नया जनादेश जीतने पर पीएम को बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। वायुसेना प्रमुख ने माननीय प्रधानमंत्री को चल रहे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के बारे में भी बताया।'

इससे पहले दिन में, वीआर चौधरी ने बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सदस्यों को भी श्रद्धांजलि दी। पोस्ट में कहा गया है, 'वायुसेना प्रमुख एयर चीफ

राष्ट्रपति दावेदारी के लिए डेमोक्रेट नेताओं की पसंद बनीं मिशेल ओबामा, बाइडन को मिल सकती है चुनौती

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्न ी मिशेल ओबामा राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन की जगह लेने के लिए प्रमुख पसंद बन चुकी है। रासमुसेन रिपोर्ट पोल्स में मतदान करने वाले डेमोक्रेटिक पार्टी के करीबन आधे नेताओं ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए बाइडन के अलावा किसी अन्य पर अपनी पसंद व्यक्त की है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक नेताओ की प्रमुख पसंद बनी मिशेल ओबामा

करीबन 48 फीसदी ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले बाइडन के अलावा अन्य उम्मीदवार को चुनने के लिए सहमति जताई है, जबकि 38 फीसदी ने इसपर असहमति जताई है। केवल 33 फीसदी ने मतदान में फेरबदल का अनुमान लगाया है। 81 वर्षीय जो बाइडन की जगह लेने के लिए मिशेल ओवामा को 20 फीसदी वोट मिले।

इस दौड़ में अन्य दावेदार उप राष्ट्रपति कमला हैरिस, पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम और मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर शामिल हैं। कमला हैरिस को जहां 15 फीसदी तो वहीं हिलेरी क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप को 15 फीसदी वोट मिले।

अफगानिस्तान में इस संगठन की बदौलत पनपा ISIL-K, रिपोर्ट में खुलासा- ऐसे मिली हथियार जुटाने में मदद

अफगानिस्तान। संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट-खोरासन (आईएसआईएल-के) ने 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में छोड़े गए प्रतिबंधित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के भंडार से हथियार मांगे और प्राप्त किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लेकर यूएन महासचिव की 18वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश अफगानिस्तान, मध्य पूर्व और अफ्रीका में हथियारों के प्रसार, विशेष रूप से हथियारों की पहुंच को

लेकर चिंतित हैं। आईएसआईएल (दाएश) के क्षेत्रीय सहयोगियों ने छोटे हथियारों और हल्के हथियारों के साथ-साथ मानव रहित विमान प्रणालियों और तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों को उस तक पहुंचाने में वृद्धि की है।

सैन्य उपकरणों के प्रसार पर चिंता

संयुक्त राष्ट्र ने 2021 में तालिबान के अधिग्रहण के बाद अफगानिस्तान के भीतर और पड़ोसी देशों में सैन्य उपकरणों के प्रसार पर चिंता व्यक्त की है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया, कई सदस्य देशों ने बताया कि तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में बचे हथियारों के भंडार से हथियारों का प्रसार जारी है। सदस्य देशों ने रिपोर्ट करना जारी रखा कि आईएसआईएल-के ने तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान से ऐसे हथियार मांगे और प्राप्त किए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों की वजह से क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को कमजोर कर दिया है।

सदस्य देशों ने बताया कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन-कैलिबर हथियार जो आमतौर पर पूर्व अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों से जुड़े होते हैं, उन हथियारों को तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान, ईस्टर्न तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, टीआईपी जैसे तालिबान और अल-कायदा से जुड़े समूहों द्वारा आईएसआईएल-के में स्थानांतरित किया जा रहा है।

लड़ाकों की संख्या दो हजार से चार हजार होने का अनुमान

इस महीने जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सदस्य देशों ने आईएसआईएल-के को अफगानिस्तान और व्यापक क्षेत्र में सबसे गंभीर आतंकवादी खतरा माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईएसआईएल-के ने अफगानिस्तान के अंदर अपनी परिचालन क्षमताओं में वृद्धि की है।

मुख्यमंत्री योगी बोले- माहौल हमारे अनुकूल, यूपी की सभी 80 सीटें जीतना हमारा लक्ष्य

लखनऊ। माहौल हमारे अनुकूल है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के काम, उनका नाम और नेतृत्व के साथ ही इस बार भगवान श्रीराम का भी आशीर्वाद हमारे साथ है। ऐसे में इस बार 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने के संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना है। साथ ही यह भी ध्यान रखना है कि हम अति आत्मविश्वास में ना रहें। हमें अपनी बूथ संरचना को और सुदृढ़ करते हुए जनता के साथ बेहतर संवाद को और अधिक प्रगाढ़ करना है। याद रहे राजनीतिक दलों के व्यवहार और कार्यपद्धति को जनता हमेशा नोट करती है और वक्त आने पर जवाब भी देती है। पार्टी का प्रत्याशी मतलब कमल का फूल, हमें बस यही

मानकर चलना है। ये बातें बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित विकसित भारत 'मोदी की गारंटी' पेटिका अभियान के शुभारंभ के दौरान कही।

पेटिका लेकर घर घर जाएंगे

बीजेपी कार्यकर्ता

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित बीजेपी नेताओं की मौजूदगी में सीएम योगी ने इस अभियान को शुरू किया है। इसके अंतर्गत विकसित भारत 'मोदी की गारंटी' पेटिका को बीजेपी कार्यकर्ता घर-घर लेकर जाएंगे और आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र के लिए सुझाव मांगेंगे। इसके अलावा पार्टी की ओर से मिस्ड कॉल अभियान की भी शुरूआत की गई है। इसमें 9090902024 पर मिस्ड कॉल के जरिए भी पार्टी के संकल्प पत्र के लिए जनता से सुझाव आमंत्रित किये जाएंगे।

बूथ जीते तो सब जीते

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव जीतने का एक ही तरीका है, हम अपने बूथ पर ध्यान दें। बूथ जीते तो सब जीते। बूथ पर हम जितना सशक्त और सामर्थ्यवान हैं, परिणाम उतना ही अनुकूल आएगा। हमारे संगठन का दायरा बढ़ा है। ऐसी स्थिति में हमें भाजपा के पक्ष में 80 में से 80 सीटें प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का कार्यकर्ता संकल्पित होकर आगे बढ़ेगा तो इस परिणाम को कोई रोक नहीं सकता।

जनता का शासन जनता के सुझावों से ही प्रारंभ होता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चा लोकतंत्र वही है, जहां जनता का शासन, जनता के द्वारा, जनता के लिए होता है और जनता का शासन जनता के सुझावों से ही प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी घोषणा पत्र नहीं, बल्कि संकल्प पत्र के साथ जनता के पास जाती है।

व्यासजी के तहखाने की छत पर नमाजियों की भीड़ पर आपत्ति, हिंदू पक्ष ने संख्या कम करने का दिया आवेदन

वाराणसी। ज्ञानवापी के श्रृंगार गौरी मामले से जुड़े वादी राम प्रसाद सिंह ने व्यासजी के तहखाने की मरम्मत और उसके ऊपरी छत पर नमाजियों की संख्या कम करने के लिए डीएम रिसीवर को निर्देशित करने का आवेदन जिला जज की अदालत में दिया है। हिंदू पक्ष की ओर से नमाजियों की संख्या पर आपत्ति जताई गई है।

आवेदन में कहा गया है कि तहखाने की छत कमजोर है। ऐसे में नमाजियों की संख्या ज्यादा होने की वजह से नुकसान हो सकता है। कहा है कि तहखाने के ऊपरी हिस्से पर ज्यादा भीड़ न हो। याचिका श्रृंगार गौरी नियमित दर्शन के सहयोगी वादमित्र की तरफ से दी गई है।

ज्ञानवापी मामले पर हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि 'हमने वर्ष 2021 में मां श्रृंगार गौरी की ओर से याचिका दायर की थी। 31 जनवरी 2024 को जिला न्यायालय ने आदेश दिया कि प्रार्थना और पूजा फिर से शुरू की जा सकती है।' व्यासजी का तहखाना, जिसके रिसीवर डीएम हैं। जिला प्रशासन के अनुपालन में तहखाना में प्रार्थना और पूजा शुरू हो गई है, लेकिन चूंकि 'तहखाना' 500 साल से अधिक पुराना है, इसलिए इसकी दीवारें और छत नाजुक हैं। इसे देखते हुए हमने तहखाना पर किसी को भी अनुमति न दिए जाने की मांग की। लोग तहखाना की छत पर जाकर नमाज पढ़ते हैं, इससे गंभीर दुर्घटना हो सकती है। दूसरा कारण यह है कि यह हमारी आस्था का विषय है और हम ऐसा नहीं कर सकते। हम जिस स्थान पर पूजा करते हैं, उस स्थान पर लोगों की संख्या कम करें।

मिलक में बवाल के बाद एसडीएम और सीओ हटाए गए, चौकी प्रभारी सहित 25 पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

रामपुर। मिलक (रामपुर) कोतवाली क्षेत्र के सिलईबड़ा गांव में सरकारी जमीन पर डा.भीमराव अंबेडकर पार्क का बोर्ड लगाए जाने को लेकर हुए बवाल में छात्र सुमेश (17) की गोली लगने से मौत के मामले में मिलक के एसडीएम और सीओ को हटा दिया गया है। एसपी ने मिलक कोतवाली के इंस्पेक्टर, चौकी प्रभारी और तीन सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चौकी प्रभारी सहित 25 पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। तनावपूर्ण माहौल और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुधवार की दोपहर सुमेश का अंतिम

संस्कार कर दिया गया।

सिलईबड़ा गांव में मंगलवार को हुए बवाल में गोली लगने से छात्र सुमेश की मौत के मामले में उसके पिता गेंदनलाल ने देर रात को तहरीर देकर एसडीएम अमन देओल व तहसीलदार राकेश चंद्रा के निर्देश पर गोली चलाने का आरोप लगाया था। बुधवार की सुबह आठ बजे पोस्टमार्टम के बाद छात्र सुमेश का शव एंबुलेंस से गांव पहुंचा तो परिजनों ने शव लेने से इन्कार कर दिया। उनकी मांग थी कि एसडीएम और तहसीलदार पर भी रिपोर्ट दर्ज हो।

करीब दो घंटे बाद हंगामे के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर परिजनों ने शव को उठाकर घर में रखा। शव के घर में रखने के बाद ग्रामीणों और भीम आर्मी के कार्यकताओं जमकर हंगामा किया। दोपहर 12 बजे जब शव को अंत्योष्टि के लिए ले जाया जा रहा था तो भीम आर्मी व ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। घर की कुछ ही दूरी पर छात्र का शव सड़क पर रखकर लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे।

रैपिड के निमार्णाधीन स्टेशन पर शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, मचा हड़कंप, बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड

मेरठ। मेरठ में बुधवार को पल्लवपुरम स्थित दुल्हैड़ाचुंगी पर निर्माणधीन रैपिड के स्टेशन में आग लग गई। आग लगने पर वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

सूचना के बाद भी देर तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ट्रेफिक को रोक दिया, जिस कारण हाईवे पर जाम की स्थिति उत्पन हो गई।

निर्माणधीन रैपिड स्टेशन पर बुधवार को कर्मचारी सरिया बांध रहे थे। सरिया

बांधने के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगने के बाद कर्मचारी किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरे और अन्य कर्मचारियों को सूचना दी।

एकत्रित हुए कर्मचारियों हाइड्रा मंगाकर खुद ही आग बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची।

जानकारी पर पहुंची पुलिस ने ट्रेफिक को रोक दिया, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो, जिस कारण जाम की स्थिति उत्पन हो गई। कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हैं, अभी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

बताया गया कि जिस स्थान पर आग लगी है, उसे पीयर कैप कहा जाता है। पीयर कैप में शॉर्ट सर्किट के कारण चिंगारी निकली और आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सार सुर्खिया

यूपी के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरने के आसार, तीन मार्च तक ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ। मौसमी बदलाव के बीच पश्चिमी विक्षोभ के फिर से सक्रिय होने के चलते मार्च के पहले सप्ताह में प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में आंधी बारिश के साथ कहीं कहीं ओले गिरने के भी आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार से पश्चिमी यूपी में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने व गरज चमक से साथ हल्की से मध्यम बारिश शुरू होने के आसार हैं, जो रुक रुक कर तीन मार्च तक जारी रहेगी।

पहले चाय बनवाई, फिर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर सपा नेता के भाई की हत्या; इलाके में कोहराम

बागपत। बागपत के निवाड़ा में नौरोजपुर गुर्जर रोड पर प्रॉपर्टी डीलर यूसुफ के कार्यालय पर जिस तरह से सामान मिला है उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह हमलावरों के लिए चाय बना रहा था, तभी बरामदे में बात करते हुए उसे गोली मारी गई। वह भागने लगा तो उसे और गोलियां मारी गईं। मरने के बाद ही हमलावर वहां से भागे।

यूसुफ के कार्यालय के सामने कुछ दूर ही एक सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसमें यूसुफ के कार्यालय के बाहर का हिस्सा दिखाई देता है।

इसकी फुटेज देखने पर पता चला कि यूसुफ ने कार्यालय में आकर सबसे पहले सफाई करने के लिए झाडू लगाई और उसके बाद वहां कुत्ते को रोटियां डालीं। तभी वहां बाइक पर सवार तीनों हमलावर आते हैं और वह यूसुफ से बातचीत करने लगते हैं।

इसके कुछ देर बाद ही हमलावरों ने उस पर बरामद में गोली चलाई तो वह बचकर अंदर भागने लगा, लेकिन हमावरों ने उसको अंदर जाकर भी गोलियां मारीं और वहां से बाइक पर दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे की तरफ भाग गए। वह भागते हुए पुलिस के कैमरे में भी दिखाई दे रहे हैं, जिसके बाद पहुंची पुलिस ने कार्यालय की स्थिति को देखा तो उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह हमलावरों के लिए चाय बना रहा था। क्योंकि गैस चूल्हे पर चाय बनाने को बर्तन रखा था और उसके पास ही दूध व कप रखे हुए थे। इससे यह भी माना जा रहा है कि उनमें से किसी को यूसुफ पहले से जानता था। इन सभी के आधार पर पुलिस हत्यारोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

सगे भाइयों की हत्या में पांच को आजीवन कारावास, कोर्ट ने सभी पर 30-30 हजार का जुमार्ना भी लगाया

कानपुर। उन्नाव जिले में करीब 20 वर्ष पहले रंजिश में सगे दो भाइयों की हत्या के मामले में फास्ट ट्रैक न्यायालय ने पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी पर 30-30 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के तालासराय निवासी रामेश्वर सिंह ने 27 अक्तूबर 2003 को सगे भाइयों गिरीश सिंह व हरदयाल सिंह की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रामेश्वर सिंह का आरोप था कि 26 अक्तूबर 2003 की शाम करीब सात बजे भाई गिरीश सिंह, साला अहिबरन सिंह व भतीजी रंजना सिंह पुत्री गिरीश सिंह अपने घर के बरामदे में बैठे थे।

शाम को रज्जन सिंह, गुड्डू सिंह, राजकुमार सिंह, उधम सिंह, उत्तर सिंह, माडल सिंह, परशुराम निवासी ग्राम तालासराय कोतवाली हसनगंज आए और गिरीश सिंह को जबरन खींच ले गए। घर के बाहर उसकी हत्या कर दी और अभियुक्तों ने नन्हे पासी के दरवाजे के पास बैठे दूसरे भाई हरदयाल सिंह की भी हत्या कर दी। तत्कालीन कोतवाली प्रभारी हसनगंज कृष्ण कुमार यादव ने साक्ष्य जुटाते हुए 21 अप्रैल 2004 को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया।

आतंकवाद पर लगेगी लगाम, CM योगी ने किया अळर कमांडों यूनिट का वर्चुअल लोकार्पण, कई परियोजनाओं की दी सौगात

सहारनपुर। पश्चिमी यूपी में आतंकवाद पर लगाम कसने के लिए देवबंद में बनाए आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के फील्ड युनिट भवन और पुलिस लाइन में बने साइबर थाने का बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके अलावा कई परियोजनाओं लोकार्पण किया। इनमें से कई परियोजनाएं जनपद के विकास से संबंधित भी हैं।

देवबंद में रेलवे रोड पर बने एटीएस के नए भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एटीएस भवन का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन में बने साइबर थाने का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा तीन हजार 300 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें से कई परियोजनाओं की

जनपद को सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री ने सरसावा, बड़गांव नकुड और रामपुर मनिहारान थानों में साइबर हेल्प डेस्क का भी उद्घाटन किया।

इस दौरान एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, एसपी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। देहात के थानों में लोगों ने मुख्यमंत्री और डीजीपी का लाइव संबोधन सुना।

एटीएस कमांडों से होगा फायदा

एटीएस ने कई बार देवबंद सहित जिले में संदिग्ध आतंकी, बांग्लादेशी और रोहंगिया पकड़े हैं।

अब यहां एटीएस कमांडों सेंटर बनने से देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त आरोपियों पर एटीएस आसानी से शिकंजा कसने में कामयाब रहेगी। इसके अलावा महिला हेल्प डेस्क पर तत्काल महिलाओं की समस्या का समाधान होगा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को सीबीआई का नोटिस, खनन मामले में गवाह के तौर पर किया गया तलब

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अवैध खनन मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) ने गवाह के तौर पर तलब किया है। उन्हें कल (29 फरवरी) को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है।

अखिलेश यादव को बतौर गवाह पेश होने के लिए कहा गया है। इसका खुलासा उन्होंने खुद ही राजधानी में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले चुनाव से पहले भी एक नोटिस आया था और इस चुनाव में भी एक नोटिस आया है।

सीबीआई की इस नोटिस को लोकसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा

जा रहा है। अखिलेश यादव अक्सर कहते रहे हैं कि उन्हें कांग्रेस की सरकार ने पहले ही सीबीआई क्लब में डाल दिया है और अब भाजपा भी वही काम कर रही है।

लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच समझौता हुआ है। दोनों दल प्रदेश में गठबंधन में लड़ रहे हैं। सपा ने कांग्रेस को गठबंधन के तहत 17 सीटें दी हैं।

वहीं, भाजपा का दावा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहेगी।

मंदिर में प्रेम विवाह करने वाली सोनम सिद्दीकी के मामले में नया मोड़, मुश्किल में पति और ससुरालवाले

बरेली। बरेली के थाना देवरनियां क्षेत्र में बीते दिनों सोनम सिद्दीकी नाम की युवती ने लक्ष्मी बनकर प्रेमी से विवाह किया था। प्रेमी युगल के फोटो और वीडियो भी सामने आए थे। अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है। सोनम सिद्दीकी की मां ने उसके पति सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने सोनम को बरामद कर लिया है। उसका पति फरार हो गया है।

सोनम की मां ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि 24 जनवरी को वह दवाई लेने गई थी, जब वह घर वापस आई तो सोनम घर पर नहीं थी। जानकारी पर पता चला कि विष्णु मौर्य उसे अपने साथ ले गया है। आरोप है कि लड़की

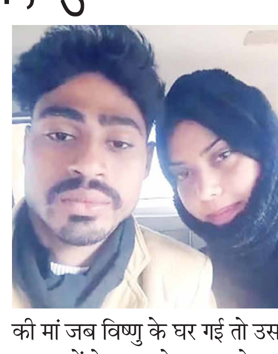

की मां जब विष्णु के घर गई तो उसके घर वालों ने धमकाते हुए उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने विष्णु मौर्य, चुरीमल मौर्य, प्रकाश मौर्य, पूरन देवी, निधि मौर्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

इंथ्री''८ ठी६२: यूपी बोर्ड परीक्षा में हिजाब पहनकर पहुंचीं छात्राओं को रोका, मुस्लिम संगठनों ने जताया विरोध

पुलिस ने सोनम को थाना क्षेत्र के गांव कठर्रा से बरामद कर लिया। पुलिस को देखकर उसका पति विष्णु फरार हो गया। पुलिस ने मंगलवार को सोनम को न्यायालय में पेश किया और उनके बयान कराए।

सिलईबड़ा में पुलिस और लोगों में विवाद, लाठीचार्ज कर खदेड़ा; चंद्रशेखर आजाद संभल में नजरबंद

रामपुर। रामपुर में सिलईबड़ा गांव में छात्र की फायरिंग में मौत होने के बाद लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बुधवार को प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिसकर्मी गांव में तैनात कर दिए हैं। सुबह से ही डीएम और एसपी मौके पर डटे हुए हैं। तहसीलदार और एसडीएम के खिलाफ केस दर्ज करने को लेकर प्रशासन और लोगों के बीच बहस हो गई। इसके बाद पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पीड़ितों से मिलने रामपुर आ रहे भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को पुलिस ने संभल में नजरबंद कर दिया गया है। इससे कार्यकर्ता और लोग गुस्से में हैं। उधर, मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह के निर्देश पर एसडीएम मिलक अमन देओल को निलंबित कर दिया गया है।

मंगलवार की शाम को सरकारी जमीन

पर आंबेडकर पार्क का बोर्ड लगाए जाने पर दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे। इस जानकारी पर पहुंचे एसडीएम और तहसीलदार ने बोर्ड हटवाने की कोशिश की तो एक पक्ष ने उन की गाड़ियों पर पथराव कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान गोली लगने से 17 वर्षीय सुमेश की मौत हो गई।

सुमेश ने सुबह ही दसवीं की परीक्षा दी थी। दोनों पक्षों के बीच उत्तेजना इस हद तक थी कि पुलिस पहुंचने के बाद भी पथराव और फायरिंग करते रहे। कुछ लोगों ने सीओ की गाड़ी पर भी पत्थर फेंके, जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हालात काबू करने के लिए एसपी राजेश द्विवेदी कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए।

छात्र की मौत से उस पक्ष के ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। उन्होंने पुलिस की गोली से मौत का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। एसपी ने आरोप निराधार बताया, जिसके बाद छात्र का शव रखकर एक पक्ष के लोग धरने पर बैठ गए। उन्होंने डीएम को मौके पर बुलाने की मांग शुरू कर दी।

डीएम के जिले से बाहर होने की जानकारी देने पर आक्रोशित लोग शांत नहीं हुए। हालात देख मुरादाबाद से कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह और डीआईजी मुनिराज जी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि फायरिंग व पथराव में घिरकर गांव के अमित और रमन घायल हो गए। उन्हें उपचार दिलाया जा रहा है।

डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगाना चाहते हैं ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि सिलईबड़ा गांव में करीब 15 दिन पहले प्रशासन ने ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटवाया था। इस जमीन पर कुछ लोग डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगाना चाहते हैं। मंगलवार को वहां पार्क का बोर्ड लगाने पर दूसरे पक्ष ने विरोध किया तो दोनों पक्ष भिड़ गए।

छह सिपाहियों समेत 25 पर मुकदमा

रामपुर के सिलईबड़ा गांव में फायरिंग में छात्र की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। लोगों ने रातभर धरना देते हुए पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मामले में लापरवाही मानते हुए बुधवार को चार सिपाहियों, एसडीएम और तहसीलदार के दो हमराह समेत 25 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। नाराज लोगों का कहना है कि एसडीएम और तहसीलदार के खिलाफ भी नामजद एफआईआर होनी चाहिए।